बापू की बातें

तर्क-जाल शैतान की पुरानी तरकीब है। जब हम किसी सत्कार्य में प्रवृत्त होते हैं तो वह आधे रास्ते तक हमारे साथ चलता है और फिर अचानक युक्तिपूर्वक हमें सुझाता है कि अब इससे आगे जाने से कोई लाभ नहीं है और फिर हमारा ध्यान अधिक आगे बढ़ने की झूठी और ऊपरी असम्भाव्यता की ओर दिलाता है। वह सद्गुणों की प्रशंसा करता है, किंतु दूसरे ही क्षण यह भी कह देता है कि उन्हें प्राप्त करना मनुष्य के बस की बात नहीं है।

(06.08.1925 : यंग इंडिया में प्रकाशित लेख 'शैतान का जाल' का अंश : सं.गां.वां. खंड 28 : पृष्ठ 32)

दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक

क्षितिज किरण

RNI No.61546/95

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा | वर्ष-32 अंक-175 | नर्मदापुरम (होशंगाबाद) बुधवार 19 अगस्त 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य -1 रूपये | सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

भिंड-ग्वालियर हाईवे पर पिकअप-डंपर की टक्कर, 8 मजदूरों की मौत, 25 घायल

भिंड (आरएनएस)। मध्य प्रदेश के भिंड जिले में नेशनल हाईवे-719 पर सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात भीषण सड़क हादसा हो गया। गोहद के छीमका गांव के पास तेज रफ्तार पिकअप सामने से आ रहे डंपर से टकरा गई। हादसे में पिकअप सवार आठ मजदूरों की मौत हो गई, जबकि 25 लोग घायल हुए हैं। गंभीर घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद ग्वालियर के ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया है।हादसा रात करीब एक बजे हुआ। पुलिस के मुताबिक, पिकअप की रफ्तार करीब 80 से 90 किलोमीटर प्रति घंटा होने का अनुमान है। छीमका गांव के पास हाईवे पर कुछ गायें सड़क पर बैठी थीं। अचानक सामने आए मवेशियों को बचाने के प्रयास में चालक ने पिकअप को मोड़ दिया। इसी दौरान सामने से आ रहे डंपर से उसकी जोरदार टक्कर हो गई। भिड़ंत इतनी भीषण थी कि पिकअप बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए।हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। गोहद चौराहा थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को क्षतिग्रस्त पिकअप से बाहर निकाला। सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। गोहद चौराहा थाना प्रभारी रामनरेश यादव के अनुसार, हादसे में आठ मजदूरों की मौत हुई है, जबकि 25 लोग घायल हैं। मृतकों के शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिए गए हैं। पुलिस मृतकों और घायलों की पहचान करने में जुटी है।बताया जा रहा है कि सभी मजदूर ग्वालियर क्षेत्र में धान की रोपाई का काम करने आए थे। काम पूरा होने के बाद वे पिकअप से अपने गांव लखीमपुर खीरी, उत्तर प्रदेश लौट रहे थे। रात के सफर के दौरान छीमका गांव के पास यह दर्दनाक हादसा हो गया।

तारापीठ भीषण अग्निकांड में एक और गिरफ्तार

कोलकाता/बीरभूम,(आरएनएस)। पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले स्थित प्रसिद्ध तीर्थस्थल तारापीठ के एक होटल में हुए भीषण अग्निकांड मामले में पुलिस और प्रशासन का कड़ा रुख जारी है। पुलिस ने होटल 'विदेशिनी' के मुख्य मालिक प्रवीर पाल को भी गिरफ्तार कर लिया है। इस हृदयविदारक हादसे में अब तक नौ लोगों की जान जा चुकी है, जबकि कई अन्य झुलसे हुए लोगों का इलाज अस्पताल में चल रहा है। इससे पहले सोमवार को पुलिस ने कार्रवाई करते हुए होटल मालिक के बेटे कल्याण पाल को हिरासत में लिया था।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मुख्यमंत्री निवास में श्रावण मास में आयोजित झूला महोत्सव में बहनों को झूला झुलाया।

हैदराबाद से विशाखापत्तनम जा रही इंडिगो फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी, सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट

हैदराबाद (आरएनएस)। राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (शमशाबाद यानी हैदराबाद) से विशाखापत्तनम जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट 208 को बम से उड़ाने की धमकी मिली, जिसे लेकर सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं। अधिकारियों को एक धमकी भरा ईमेल प्राप्त हुआ, जिसके बाद विमान की व्यापक जांच शुरू कर दी गई। जानकारी के अनुसार, शमशाबाद-विशाखापत्तनम इंडिगो फ्लाइट 208 को लेकर बम की धमकी वाला ईमेल मिलने के बाद केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने तत्काल कार्रवाई की। सुरक्षा अधिकारियों द्वारा विमान की गहन तलाशी ली जा रही है और हर पहलू की सावधानीपूर्वक जांच की जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही एयरपोर्ट पर सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई। यात्रियों और विमान से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।वहीं, धमकी भरे ईमेल के स्रोत का पता लगाने के लिए खुफिया एजेंसियों ने जांच शुरू कर दी है। अधिकारी ईमेल भेजने वाले व्यक्ति या ग्रुप की पहचान करने और धमकी की सत्यता की जांच में जुटे हैं।फिलहाल, सुरक्षा एजेंसियों की जांच जारी है, और अभी तक किसी संदिग्ध वस्तु के मिलने की पुष्टि नहीं हुई है। सभी सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करते हुए स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को मैहर से लाड़ली बहना योजना में अंतरित करेंगे 2,148 करोड़ रुपये से अधिक की राशि

मुख्यमंत्री 256 करोड़ रूपये के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन भी करेंगे

भोपाल (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बुधवार 19 अगस्त को मैहर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में प्रदेश की 1 करोड़ 25 लाख 13 हजार से अधिक पात्र बहनों के बैंक खातों में सिंगल क्लिक से कुल 2,148 करोड़ रुपये से अधिक की राशि का अंतरण करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मैहर जिले में 256 करोड़ रूपये के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन भी करेंगे।

नियमित सहायता के साथ रक्षाबंधन का विशेष शगुन

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की 39वीं किस्त के रूप में 1,500 प्रति हितग्राही कुल 1,835.46 करोड़ रूपये से अधिक और रक्षाबंधन के विशेष अवसर पर 250 प्रति हितग्राही कुल 312.83 करोड़ रूपये से अधिक की अतिरिक्त सहायता दी जा रही है। इस प्रकार प्रत्येक लाड़ली बहना के खाते में कुल 1,750 रूपये की संयुक्त राशि सीधे डीबीटी के माध्यम से पहुंचेगी।

योजना के तहत अब तक का कुल वित्तीय विवरण

जून 2023 में योजना की शुरुआत से लेकर अगस्त 2026 तक की कुल 39 किश्तों के माध्यम से लाभार्थी महिलाओं के खातों में 63 हजार 248 करोड़ रूपये की सहायता राशि अंतरित की जा चुकी है। चालू वित्तीय वर्ष 2026-2027 के लिए राज्य सरकार ने इस योजना के लिये 23,882.81 करोड़ रूपये का विस्तृत बजट प्रावधान रखा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्वालियर राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुई दुर्घटना पर दुख व्यक्त किया

भोपाल (निप्र)।मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भिंड जिले में ग्वालियर राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुई दुर्घटना में जनहानि होने पर दुख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शोकाकुल परिजन के प्रति संवेदनाएं व्यक्त की हैं।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दुर्घटना में घायलों का बेहतर उपचार और परिजन से संपर्क कर हर संभव सहायता उपलब्ध करवाने के जिला प्रशासन को निर्देश दिए हैं।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बाबा महाकाल से दिवंगत आत्मा को शांति और शोकाकुल परिजन को यह दुख सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की है। मुख्यमंत्री ने घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है।

सुप्रीम कोर्ट ने फांसी की सजा पर रोक लगाने से इनकार किया, पर सजा-ए-मौत के विकल्पों पर विचार करने को कहा

नई दिल्ली,(आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को फांसी की सजा को खत्म करने और उसकी जगह कम दर्दनाक तरीका अपनाने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी, लेकिन सुधार की गुंजाइश बनाए रखी.शीर्ष अदालत ने कहा कि उसके फैसले से केंद्र सरकार को किसी एक्सपर्ट रिव्यू (विशेषज्ञ समीक्षा) का आदेश देने से नहीं रोका जा सकता जिसमें कानून, फोरेंसिक मेडिसिन, न्यूरोसाइंस और क्रिमिनोलॉजी जैसे क्षेत्रों की मदद ली जाए. ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या सजा-ए-मौत का कोई दूसरा तरीका सजा पाने वाले की गरिमा बनाए रखते हुए अनावश्यक दर्द को बेहतर ढंग से कम कर सकता है.यह फैसला जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने सुनाया. फैसला सुनाते हुए जस्टिस मेहता ने कहा, हम इस बात से सहमत नहीं हैं कि सीआरपीसी की धारा 354 / बीएनएसएस की धारा 393(5) (फांसी के जरिए मौत की सजा से जुड़े प्रावधान) की संवैधानिक वैधता पर दोबारा विचार करने के लिए तीन जजों की बेंच (दीना मामले में) के फैसले को बड़ी बेंच के पास भेजने का कोई आधार बनता है.

इटारसी में दूध व दुग्ध उत्पादों पर खाद्य विभाग की बड़ी कार्रवाई

5 नमूने जांच को भेजे, 14 किलो संदिग्ध पनीर जप्त

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर नर्मदापुरम श्री सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार त्योहारों के मद्देनजर दूध एवं दुग्ध उत्पादों में मिलावट रोकने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है।इसी कड़ी में एसडीएम इटारसी श्री निलेश शर्मा के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा प्रशासन की टीम ने इटारसी के विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया।खाद्य सुरक्षा अधिकारी भोजराज सिंह धाकड़ एवं जितेंद्र सिंह राणा के नेतृत्व में टीम ने किशोर रेस्टोरेंट से घी, पनीर, मावा कतली एवं श्री पंडित जी किराना से पनीर एवं मावा के नमूने लिए। निरीक्षण के दौरान 14 किलोग्राम पनीर गुणवत्ता में संदेह पाए जाने पर मौके पर ही जप्त कर लिया गया। साथ ही दोनों प्रतिष्ठानों को साफ-सफाई एवं खाद्य मानकों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए गए।खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि कुल 05 नमूने जांच के लिए राज्य खाद्य प्रयोगशाला भोपाल भेजे जा रहे हैं। प्रयोगशाला की रिपोर्ट आने के बाद नियमानुसार अग्रिम वैधानिक कार्रवाई प्रस्तावित की जाएगी।खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने कहा कि आगामी त्योहारों को देखते हुए जिला प्रशासन के निर्देश पर यह सघन जांच अभियान लगातार जारी रहेगा।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी नागरिकों की समस्याएं

कई प्रकरणों का मौके पर किया निराकरण, अधिकारियों को दिए त्वरित समाधान के निर्देश

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना तथा कई प्रकरणों का मौके पर ही निराकरण किया। जनसुनवाई में राजस्व, भूमि विवाद, अवैध कब्जा, सीमांकन, प्रधानमंत्री आवास योजना, शिक्षा, रोजगार, बिजली, पानी, स्वच्छता सहित विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुईं। कलेक्टर श्री मिश्रा ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त सभी शिकायतों का समय-सीमा निर्धारित कर गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए।जनसुनवाई के दौरान ग्राम हासलपुर निवासी निधि मीना ने जनसुनवाई में कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा को आवेदन सौंपा, जिसमें उन्होंने बताया कि उनके जाति प्रमाण पत्र में नाम संबंधी त्रुटि हो गई है, जिससे उन्हे परेशानी हो रही है, जिस पर कलेक्टर श्री मिश्रा ने एसडीएम नर्मदापुरम को नाम त्रुटि सुधार के लिए आवश्यक और त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। इसी प्रकार ग्राम लोधडी के ग्रामवासियों ने संयुक्त रूप से आवेदन देते हुए बताया कि उनके ग्राम का बिजली ट्रांसफार्मर बहुत पुराना होने के कारण रोजाना फॉल्ट एवं बिजली गुल होने की समस्या से ग्रामवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ता हैं। समस्या की गंभीरता को देखते हुये कलेक ?टर श्री मिश्रा ने विद्युत विभाग के अधिकारी को समस्या के शीघ्र निराकरण करने के लिए निर्देशित किया। जनसुनवाई में अपर कलेक्टर श्री राजेश शुक्ला, श्री अनिल जैन, एसडीएम नर्मदापुरम श्री देवेंद्र प्रताप सिंह सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने भी जनसुनवाई में पहुंचे नागरिकों की समस्याएं सुनकर उनके त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की।

मूंग उपार्जन में अवैध वसूली की शिकायत पर जिला प्रशासन की सख्त कार्रवाई- सर्वेयर पर एफआईआर दर्ज

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर नर्मदापुरम द्वारा दिए गए सख्त निर्देशों के क्रम में जिले में किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए सुचारू एवं पारदर्शी मूंग उपार्जन कार्य कराया जा रहा है। उपार्जन प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसी क्रम में खरीदी में गड़बड़ी की शिकायत प्राप्त हुई, जिसमें श्री श्याम वेयरहाउस खपरिया (थाना सिवनी मालवा) में पदस्थ सर्वेयर शील कुमार यादव द्वारा उपार्जन कार्य के दौरान किसानों से अवैध रूप से राशि लेने एवं अमानक मूंग को एफ.एक्यू. (ख्वक्त) घोषित करने के एवज में अनुचित पैसों का लेन-देन करने की बात सामने आई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर नर्मदापुरम श्री सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सिवनी मालवा, श्री विजय राय द्वारा मार्कफेड (स्न्नक्रस्नश्रष्ठ) के गोदाम प्रभारी (कृषि उपज मंडी परिसर बनापुरा) श्री संजीत वर्मन के माध्यम से थाना सिवनी मालवा में शिकायत दर्ज कराई गई। प्राप्त शिकायत एवं जांच पत्र के आधार पर थाना सिवनी मालवा में आरोपी सर्वेयर शील कुमार यादव के विरुद्ध प्राथमिकी (स्नढ्ढक्र) दर्ज कर ली गई है।

स्वच्छता को आदत बनाने का मिला इनाम

प्रदेश स्तर पर पांचवा स्थान प्राप्त कर तवानगर आवासीय विद्यालय ने लहराया परचम

प्रदेश के टॉप 20 विद्यालयों में अपनी जगह बनाते हुए स्वच्छ एवं हरित विद्यालयों में हुआ शामिल

नर्मदापुरम (निप्र) लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा स्वच्छ एवं हरित विद्यालय मूल्यांकन 2025-26 के अंतर्गत उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रदेश के 20 विद्यालयों की सूची जारी की गई है। इस सूची में नर्मदापुरम जिले के तवानगर स्थित शासकीय हायर सेकंडरी मॉडल स्कूल (आदर्श आवासीय विद्यालय) ने प्रदेश में पांचवां स्थान प्राप्त किया है। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर चयनित विद्यालयों के संस्था प्रमुखों को सम्मानित किया गया।विद्यालय का चयन परिसर में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, हरियाली और विद्यार्थियों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए किए जा रहे निरंतर प्रयासों के आधार पर प्रदेश स्तर पर किया गया है। विद्यालय की यह उपलब्धि जिले के लिए गौरव का विषय है।तवानगर स्थित आदर्श आवासीय विद्यालय करीब 10 एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ कवर्ड कैंपस है। विद्यालय के छात्रावास में विभिन्न नगरों से आए 245 विद्यार्थी निवास करते हुए अध्ययन कर रहे हैं। विद्यालय प्रबंधन द्वारा विद्यार्थियों को स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराने के साथ परिसर को हरा-भरा बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।विद्यालय में कक्षाओं, गलियारों, शौचालयों और खेल मैदान की नियमित साफ-सफाई की जाती है। परिसर में सूखे और गीले कचरे को अलग-अलग एकत्रित करने की व्यवस्था की गई है। विद्यार्थी और स्कूल स्टाफ निर्धारित कचरा पेटियों में ही कचरा डालते हैं।

युवा संगम रोजगार एवं स्वरोजगार मेला का आयोजन आज

रोजगार मेले के सुचारु आयोजन हेतु अधिकारियों को सौंपे गए दायित्व

नर्मदापुरम (निप्र) कलेक्टर नर्मदापुरम सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार जिला प्रशासन एवं जिला रोजगार कार्यालय नर्मदापुरम द्वारा शिक्षित बेरोजगार युवक युवतियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए युवा संगम रोजगार एवं स?वरोजगार मेला का आयोजन 19 अगस्त 2026 को शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षक संस्था आईटीआई नर्मदापुरम में किया जाएगा।

तत्संबंध में कलेक्टर श्री मिश्रा द्वारा रोजगार मेले के सुचारु आयोजन हेतु अधिकारियों को दायित्व सौंप उनकी ड्यूटी लगाई गई है।जारी आदेशानुसार कलेक्टर श्री मिश्रा द्वारा रोजगार मेला का संपूर्ण प्रभार का दायित्व अनुविभागीय अधिकारी नर्मदापुरम देवेन्द्र प्रताप सिंह को सौंपा है। तथा रोजगार मेला के आयोजन संबंधी अन्य कार्यों एवं व्यवस्थाओं के लिए भी अधिकारियों को दायित्व सौंपा गया है।

दैनिक क्षितिज किरण

आवश्यकता है

नर्मदापुरम (होशंगाबाद) जिले में संवाददाता एवं विज्ञापन प्रतिनिधि की

योग्यता

स्थानीय स्तर पर कार्य करने का अवसर

समाज से जुड़े, पहचान बनाएं

जुड़ें और बनें अपने क्षेत्र की आवाज हमारे साथ

संपर्क करें 9425025999 एवं 9098362770

संपर्क करने का समय | सुबह 9.00 बजे से 12.00 बजे तक | शाम 6.00 बजे से 8.00 बजे तक

किसानों के कल्याण के लिए कृषि, पशुपालन और उद्यानिकी को बढ़ावा दे रही सरकार : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने गुना में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव को वर्चुअली संबोधित किया
कुंभराज धनिया को जल्द मिलेगा GI टैग, प्रदेश में 20% बढ़ेगा उद्यानिकी रकबा

भोपाल, (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि कृषक कल्याण वर्ष में प्रदेश सरकार किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए कृषि के साथ पशुपालन और उद्यानिकी को भी बढ़ावा दे रही है। गुना जिले की धनिया और गुलाब उत्पादन के क्षेत्र में विशेष पहचान है। किसानों को उद्यानिकी से जोड़कर उनकी आय बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं। गुना जिले के कुंभराज धनिया को शीघ्र ही जीआई टैग प्राप्त होगा। प्रदेश में उद्यानिकी का रकबा 20 प्रतिशत बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास से गुना कृषि उपज मंडी प्रांगण में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव को वर्चुअली संबोधित कर रहे थे।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पशुपालन के क्षेत्र में भी प्रदेश के किसानों को लाभान्वित किया जा रहा है। बदलते दौर के अनुरूप पशु नस्ल सुधार जैसे कार्यों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। प्रदेश में दुग्ध उत्पादन को 12 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत तक ले जाने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सिंचाई सुविधाओं का तेजी से विस्तार हुआ है। किसानों को दिन में विद्युत आपूर्ति का लाभ मिल रहा है, जिससे कृषि कार्य को और आसान बनाने में मदद मिली है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि युवाओं को भी कृषि, पशुपालन और उद्यानिकी गतिविधियों से जोड़ा जा रहा है। उन्नत गोपालन और डेयरी विकास के कार्यों से युवा बड़ी संख्या में जुड़ रहे हैं। उन्होंने किसानों से सामाजिक कुरीतियों को त्यागने, विवाह एवं अन्य प्रसंगों पर अनावश्यक खर्च कम करने, कृषि भूमि नहीं बेचने और बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान देने का आह्वान किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जनप्रतिनिधियों एवं किसानों से चर्चा भी की। विधायक चाचौड़ा श्रीमती प्रियंका पेंची ने कहा कि आज का दिन बहुत अच्छा है। शासन की योजनाओं का लाभ एक-एक व्यक्ति तक पहुंच रहा है। भारत सरकार और राज्य सरकार लगातार ऐसी योजनाएं संचालित कर रही हैं, जिनसे लोगों का जीवन सरल हो रहा है और योजनाओं का लाभ घर-घर तक पहुंचाया जा रहा है। गुना विधायक पन्नालाल शाक्य ने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की आवश्यकता बताते हुए कहा कि प्राकृतिक खेती के लिए किसानों को प्रेरित किया जाना अच्छी बात है। उन्होंने किसानों से प्राकृतिक खेती अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि जिस धरती से अन्न प्राप्त होता है, उसके प्रति सम्मान का भाव होना चाहिए। कार्यक्रम में कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल, सीईओ जिला पंचायत अभिषेक दुबे सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। बलराम कृषि महोत्सव के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं कृषि से संबंधित गतिविधियों की जानकारी देने के लिए प्रदर्शनी लगाई गई। अतिथियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा अधिकारियों से विभागीय योजनाओं की जानकारी ली। कार्यक्रम के प्रारंभ में कलाकारों द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों ने किसानों को कृषि की उन्नत तकनीकों, प्राकृतिक खेती एवं अन्य कृषि उपयोगी विषयों की महत्वपूर्ण जानकारी दी। कार्यक्रम में कृषक परिवार के मेधावी छात्र एवं छात्राओं तथा जैविक कृषि एवं उन्नत तकनीक से खेती करने वाले कृषकों को भी सम्मानित किया। कार्यक्रम में स्वतंत्रता दिवस में सम्मानित होने वाले अधिकारी एवं कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया।

फेक न्यूज के जमाने में हम नेक न्यूज वाले बनें : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल,(आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि फेक न्यूज़ के जमाने में हम नेक न्यूज़ वाले बने। पत्रकारिता में सत्ता का विरोध ठीक है, लेकिन देश विरोध नहीं होना चाहिए। हमारे लिए न्यूज़ से ऊपर नेशन हो, देश हित को हम सर्वोपरि रखें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय के सत्रारंभ - अभ्युदय 2026 के शुभारंभ सत्र को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मां सरस्वती, भारत माता और दादा माखनलाल चतुर्वेदी जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विश्वविद्यालय के प्रकाशनों क्रमश: दो सदी साक्षी, विकल्प लैब जरनल मैं न्यूज़ रूम और भारत की टेंपल इकोनॉमी पर केंद्रित जरनल इंडियन कलाईडोस्कोप का विमोचन किया तथा विश्वविद्यालय के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों सुश्री परिधि पुजारी, सुश्री तमन्ना लश्कर और सुश्री शिविका गुप्ता का उनकी उपलब्धियां के लिए सम्मान कर उन्हें अलंकरण प्रदान किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विश्वविद्यालय द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी 100 साल से 100 सुर्खियां का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के आगमन पर कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने डॉ. यादव को विश्वविद्यालय की परंपरा अनुसार पुस्तकें माखन के लाल और कार्टून कथा तथा अंग वस्त्रम भेंट कर उनका स्वागत किया।

भोपाल में सीलिंग कार्रवाई के विरोध में व्यापारियों ने चक्काजाम कर किया प्रदर्शन, उग्र आंदोलन की दी चेतावनी

ब्यूटीशियन ने सड़क पर मेकअप कर जताया विरोध

भोपाल, (ए.) । मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के रहवासी इलाकों में आवासीय भवनों के कमर्शियल उपयोग पर नगर निगम की सीलिंग कार्रवाई के विरोध में मंगलवार को व्यापारियों ने रोशनपुरा चौराहे पर करीब पौने दो घंटे तक चक्काजाम कर प्रदर्शन किया। ब्यूटीशियनों ने सड़क पर मेकअप कर अनोखा विरोध दर्ज कराया, वहीं व्यापारी नेताओं ने गुजरात मॉडल की तर्ज पर अनधिकृत निर्माण नियमितीकरण कानून-2022 और मिक्स्ड लैंड यूज लागू करने की मांग करते हुए सरकार को उग्र आंदोलन व आत्मदाह की चेतावनी दी।

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बाद भोपाल नगर निगम द्वारा आवासीय क्षेत्रों में संचालित व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर लगातार सीलिंग और नोटिस की कार्रवाई की जा रही है। इसके विरोध में मंगलवार को सैकड़ों की संख्या में व्यापारी और महिला कारोबारी सड़कों पर उतर आए। प्रदर्शनकारियों ने रोशनपुरा चौराहे पर चक्काजाम कर नारेबाजी की और सामूहिक रूप से जन-गण-मन गाकर अपना विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शन के दौरान जब व्यापारियों ने सीएम हाउस की ओर बढ़ने का प्रयास किया, तो भारी पुलिस बल ने उन्हें रास्ते में ही रोक दिया।

कार्रवाई के खिलाफ अपना विरोध जताने के लिए

महिला ब्यूटीशियनों ने सड़क पर ही मेकअप कर अनूठा प्रदर्शन किया। उनका कहना था कि यदि ब्यूटी पार्लर जैसे छोटे व्यवसाय बंद कराए गए तो हजारों लोगों की आजीविका छिन जाएगी। महिला व्यापारियों ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने उनकी मांगें नहीं मानीं तो आने वाले दिनों में एक लाख लोग सड़कों पर उतरेंगे।व्यापारी संघ के प्रतिनिधियों ने आरोप लगाया कि वे वर्षों से नगर निगम को संपत्ति कर और व्यावसायिक बिजली बिल दे रहे हैं। ऐसे में अचानक बिना विकल्प दिए दुकानें बंद कराना अनुचित है। थोक बाजार व्यापारी संघ के अभिषेक रब्बू, बैरागढ़ कोषाध्यक्ष अशोक उसरा सिंह, अध्यक्ष आनंद सोनी और भोपाल चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष गोविंद गोयल ने सरकार से मांग की है कि भोपाल में जल्द नया मास्टर प्लान लागू कर मिक्स्ड लैंड यूज का प्रावधान किया जाए।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी आवेदकों की समस्याएं जनसुनवाई में 161 आवेदन प्राप्त हुए

भोपाल, (निप्र.) । कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने मंगलवार को जिले से जनसुनवाई में आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने अनेक समस्याओं का निराकरण मौके पर ही किया। जनसुनवाई में आए नागरिकों से 161 आवेदन प्राप्त हुए। इस अवसर पर एडीएम प्रकाश नायक, सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।कलेक्टर मिश्रा ने जनसुनवाई में आए हर एक आवेदक से धैर्यपूर्वक उनकी समस्याओं पर चर्चा की और उन्हें उनके शीघ्र निराकरण का आश्वासन भी दिया।

मंत्री श्री कुशवाह नई दिल्ली में आईसीएआर की वार्षिक बैठक में हुए सम्मिलित

भोपाल,(आरएनएस)। उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने नई दिल्ली में आयोजित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) सोसाइटी की 97वीं वार्षिक आम बैठक में शामिल हुए। सुब्रमण्यम सभागार, राष्ट्रीय

कृषि विज्ञान परिसर, पूसा में आयोजित बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने की।मंत्री श्री कुशवाह ने मध्यप्रदेश में उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों और किसानों को आधुनिक तकनीक से जोड़ने की दिशा में प्रदेश की पहल को बैठक में साझा किया। उन्होंने कहा कि बदलती कृषि परिस्थितियों में उद्यानिकी फसलों का विस्तार किसानों की आय बढ़ाने का प्रभावी माध्यम है। प्रदेश में फल, सब्जी, मसाला एवं पुष्प उत्पादन के साथ खाद्य प्रसंस्करण को बढ़ावा दिया जा रहा है। कृषि अनुसंधान संस्थानों की तकनीक और नवाचारों को खेत तक पहुंचाकर किसानों को बेहतर उत्पादन, मूल्य संवर्धन और बाजार उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारों के समन्वित प्रयासों से कृषि एवं उद्यानिकी क्षेत्र को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के साथ किसानों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। बैठक में विभिन्न राज्यों के कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन एवं मत्स्य पालन विभागों के मंत्रीगणों ने सहभागिता कर कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों के विकास से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया।

भोपाल में टैक्सी हड़ताल से यात्री परेशान, रेलवे स्टेशन पर कैब बंद

ऑटो चालक वसूल रहे मनमाना किराया

भोपाल,(ए.) । एग्रीगेटर कंपनियों के खिलाफ टैक्सी चालक संघ की हड़ताल से राजधानी भोपाल में सोमवार रात 12 बजे से ओला और उबर समेत सभी कैब सेवाएं ठप हैं। इस हड़ताल का सबसे बड़ा असर भोपाल रेलवे स्टेशन और एयरपोर्ट पर देखने को मिला, जहां यात्री ऑनलाइन कैब न मिलने और ऑटो चालकों द्वारा डेढ़ से दो गुना अधिक किराया वसूलने से परेशान नजर आए। संयुक्त मोर्चे ने बोर्ड ऑफिस चौराहे पर धरना देकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपने और मांगें न माने जाने पर अनिश्चितकालीन बंद की चेतावनी दी है। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में एग्रीगेटर कंपनियों के खिलाफ टैक्सी चालक संघ की हड़ताल के चलते सोमवार रात 12 बजे से ओला, उबर सहित अन्य ऑनलाइन कैब सेवाओं का संचालन पूरी तरह बंद है। इसका सीधा असर मंगलवार सुबह भोपाल रेलवे स्टेशन, एयरपोर्ट और बस स्टैंड पर देखा गया। बाहर से आए यात्रियों ने घंटों ऑनलाइन कैब बुक करने का प्रयास किया, लेकिन गाड़ियां उपलब्ध नहीं हुईं। इसका फायदा उठाकर ऑटो चालकों ने यात्रियों से डेढ़ से दो गुना तक मनमाना किराया वसूला। हड़ताल के कारण स्टेशन पर यात्रियों को काफी परेशानी झेलनी पड़ी।

उन्हें काफी मशक्कत के बाद ऑटो का सहारा लेना पड़ा। मामले पर आरटीओ जितेंद्र शर्मा ने कहा कि कैब संगठनों को दोपहर में बातचीत के लिए बुलाया गया है और किराए में ओवर चार्जिंग की शिकायत मिलने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। किराया निर्धारण: सरकार 22 से 30 प्रति किलोमीटर दर, 1 से 2 प्रति मिनट टाइम चार्ज और बेस फेयर तय करे। एग्रीगेटर कंपनियां बढ़ते ईंधन व मेंटेनेंस खर्च के बावजूद अपनी मर्जी से कम किराए पर गाड़ियां चलवा रही हैं।

नगर निगम ने तीन बकायादार दुकानदारों के खिलाफ की तालाबंदी की कार्रवाई

भोपाल (निप्र.)। नगर निगम भोपाल ने राजस्व वसूली अभियान के तहत निगम स्वामित्व वाली दुकानों का किराया जमा नहीं करने वाले तीन बकायादारों के खिलाफ मंगलवार को तालाबंदी की कार्रवाई की। जोन क्रमांक-5 के अंतर्गत की गई इस कार्रवाई में तीन दुकानों पर ताले लगाए गए।नगर निगम आयुक्त संस्कृति जैन के निर्देश पर राजस्व अमले द्वारा संपत्तिकर, जल उपभोक्ता प्रभार, लीज किराया सहित विभिन्न मदों की बकाया राशि वसूलने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में वार्ड क्रमांक-23 में निगम की दुकानों का किराया लंबे समय से जमा नहीं करने वाले दुकानदारों के खिलाफ कार्रवाई की गई।निगम के अनुसार तिलक मार्केट स्थित दुकान क्रमांक-25 के बकायादार कमर अजीज पर 86 हजार 850 रुपये की राशि बकाया थी। इसी प्रकार एबी मार्केट की दुकान क्रमांक-78 बी के जगन्नाथ पर एक लाख तीन हजार 895 रुपये तथा दुकान क्रमांक-61 ए के हमीद खान पर 41 हजार 727 रुपये की किराया राशि बकाया थी। निर्धारित राशि जमा नहीं करने पर तीनों दुकानों पर तालाबंदी कर दी गई। यह कार्रवाई जोनल अधिकारी मुकेश केमिया के निर्देशन में वार्ड क्रमांक-23 के वार्ड प्रभारी एवं निगम के अन्य कर्मचारियों द्वारा की गई। नगर निगम ने स्पष्ट किया है कि बकाया कर, शुल्क और किराये की राशि जमा नहीं करने वाले अन्य बकायादारों के खिलाफ भी कार्रवाई आगे जारी रहेगी।

हाईकोर्ट के आदेश पर भोपाल में प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, निशातपुरा में प्राइवेट जमीन पर बने 11 मकान तोड़े

35 साल पुराने अतिक्रमण पर चला प्रशासन का बुलडोजर, भारी पुलिस बल रहा तैनात

भोपाल, (ए.)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के निशातपुरा क्षेत्र में लंबे समय से चले आ रहे जमीन विवाद में मंगलवार को जिला प्रशासन ने हाईकोर्ट के आदेश के पालन में बड़ी कार्रवाई की। प्रशासन की टीम ने निजी जमीन पर बने 11 मकानों को चार पोकलेन मशीनों की मदद से जमींदोज कर दिया। कार्रवाई के दौरान किसी तरह के विरोध या अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात रहा।

कार्रवाई बैरागढ़ एसडीएम रवीश कुमार श्रीवास्तव की मौजूदगी में की गई। तहसीलदार हर्षविक्रम सिंह सहित राजस्व विभाग के अन्य अधिकारी और पुलिस बल भी मौके पर मौजूद रहे। प्रशासन की यह कार्रवाई करीब 35 साल पुराने अतिक्रमण को हटाने के लिए की गई है।

हाईकोर्ट के आदेश के बाद प्रशासन ने की कार्रवाई

जानकारी के अनुसार, निशातपुरा में अविनाश जौहरी की करीब 0.75 एकड़ निजी जमीन पर लंबे समय से कब्जा था। इस जमीन पर धीरे-धीरे मकान बना दिए गए। बताया जा रहा है कि कुछ निर्माण तीन मंजिला तक हैं। जमीन को कब्जामुक्त कराने के लिए जौहरी ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। हाईकोर्ट ने मामले में भोपाल कलेक्टर, नगर निगम और पुलिस प्रशासन को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए थे। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया था कि जिन पक्षकारों को न्यायालय से स्थगन (स्टे) मिला हुआ है, उन्हें छोड़कर अन्य निर्माणों पर कार्रवाई की जाए। इसके बाद मंगलवार को प्रशासन ने पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर कार्रवाई शुरू की।

पहले भी पहुंचा था प्रशासन, विरोध के कारण रुक गई थी कार्रवाई

बताया जा रहा है कि अतिक्रमण हटाने के लिए प्रशासन पहले भी मौके पर पहुंचा था, लेकिन विरोध के चलते कार्रवाई नहीं हो सकी थी। इसके बाद प्रशासन और पुलिस ने सख्ती के साथ कार्रवाई की चेतावनी दी। मंगलवार को पर्याप्त पुलिस बल की मौजूदगी में कार्रवाई को अंजाम दिया गया।

सरकारी जमीन पर भी कब्जे का मामला

निशातपुरा के इसी क्षेत्र में करीब 0.30 एकड़ सरकारी जमीन पर भी कब्जे की बात सामने आई है। हालांकि, इस हिस्से में कुछ मामलों में हाईकोर्ट का स्थगन आदेश होने के कारण फिलहाल कार्रवाई नहीं की गई है। प्रशासन ने स्टे वाले मामलों को छोड़कर अन्य चिन्हित निर्माणों पर कार्रवाई की।

कार्रवाई के दौरान पुलिस-प्रशासन की कड़ी निगरानी

मौके पर चार पोकलेन मशीनों से मकानों को गिराने की कार्रवाई की गई। सुरक्षा व्यवस्था के लिए बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात रहे। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि न्यायालय के आदेश के अनुरूप ही कार्रवाई की जा रही है और जिन मामलों में कोर्ट का स्टे है, उनमें फिलहाल कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

महंगाई भत्ते-CPCT के विरोध में कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन

भोपाल, (ए.)। आठ माह से लंबित महंगाई भत्ते और CPCT की अनिवार्यता के विरोध में तृतीय वर्ग कर्मचारी संगठन ने मंगलवार को मंत्रालय के सामने प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने नारेबाजी कर सरकार की नीतियों के खिलाफ विरोध जताया और जल्द कैशलेस हेल्थ स्कीम लागू करने की मांग की। तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ मध्य प्रदेश के महामंत्री उमाशंकर तिवारी ने बताया कि प्रदर्शन में संघ के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कर्मचारी शामिल हुए। कर्मचारियों ने प्रदेश में कार्यरत और सेवानिवृत्त कर्मचारियों को 1 जनवरी 2026 से 2 प्रतिशत महंगाई भत्ता और महंगाई राहत देने की मांग की। कर्मचारियों ने नवनियुक्त कर्मचारियों को तीन साल तक 70, 80 और 90 प्रतिशत वेतन देने के प्रावधान को खत्म करने की मांग की। संघ का कहना है कि इस व्यवस्था के कारण प्रत्येक कर्मचारी को करीब 1.74 लाख से 4 लाख रुपए तक का आर्थिक नुकसान होता है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा कर्मचारियों के लिए कैशलेस इलाज की सुविधा देने की घोषणा की जा चुकी है, लेकिन अभी तक इसका लाभ नहीं मिल रहा है। संघ ने योजना को जल्द लागू करने की मांग की। कर्मचारियों ने कहा कि सीधी भर्ती में CPCT की अनिवार्यता रखी जा सकती है, लेकिन अनुकंपा नियुक्ति और चतुर्थ श्रेणी से तृतीय श्रेणी में पदोन्नति के लिए इसकी बाध्यता खत्म की जानी चाहिए। अनुकंपा नियुक्ति में भी CPCT की अनिवार्यता समाप्त करने की मांग की गई। प्रदर्शन का नेतृत्व संघ के प्रदेश अध्यक्ष अतुल मिश्रा ने किया। इस दौरान संघ के जिला अध्यक्ष सलीम खान सहित अन्य पदाधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

संभाग में ड्रग्स के विरुद्ध करें सख्त करवाई : संभाग आयुक्त श्री शर्मा

आबकारी विभाग की संभागीय समीक्षा बैठक

भोपाल, (ए.)। संभागायुक्त कर्मवीर शर्मा ने निर्देश दिए हैं कि आबकारी विभाग संभाग में ड्रग्स की बिक्री आदि के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए सख्त कार्रवाई करे। इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत प्रकरण बनाए जाएं। दोषियों के विरुद्ध जिला बदर की कार्रवाई भी प्रस्तावित करें। भोपाल संभाग को ड्रग्स से मुक्त करना है। संभागायुक्त श्री शर्मा ने मंगलवार को कमिश्नर कार्यालय में आबकारी विभाग की संभागीय समीक्षा बैठक ली। बैठक में आबकारी उपायुक्त संभागीय उड़नदस्ता के. सी. अग्निहोत्री और संभाग के सभी जिलों के आबकारी अधिकारी उपस्थित थे। संभागायुक्त श्री शर्मा ने कहा कि संभाग में कहीं भी शराब की अवैध बिक्री, अवैध परिवहन, अवैध भंडारण न हो, इसके लिए निरंतर निरीक्षण कर कार्रवाई करें। आबकारी विभाग अपना सूचना तंत्र मजबूत करे और पुलिस के साथ समन्वय कर प्रभावी कार्रवाई करे। मदिरा दुकानों का निरीक्षण करे और सुनिश्चित करे कि एमआरपी से अधिक दर पर मदिरा की बिक्री ना हो। आबकारी राजस्व वसूली भी निरंतर की जाए। समय पर लाइसेंस फीस जमा हो यह भी सुनिश्चित करें। संभागायुक्त श्री शर्मा ने बैठक में आबकारी राजस्व प्राप्ति, प्रत्याभूत ड्यूटी, भांग खपत, विदेशी मदिरा माल्ट /बीअर खपत, उपलंभन प्रकरण, डिस्टिलरी/बूवरी आदि विषयों पर चर्चा की और आवश्यक निर्देश दिए।

मिलावटी और दूषित खाद्य पदार्थों का विक्रय रोकने आकस्मिक जांच की कार्यवाही जारी

जबलपुर (ए.)। कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार दूषित एवं मिलावटी खाद्य सामग्री का विक्रय रोकने चलाये जा रहे अभियान के अंतर्गत नगर निगम मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने आज मंगलवार को कई प्रतिष्ठानों की आकस्मिक जांच की तथा लाइसेंस की शर्तों का उल्लंघन पाये जाने पर एक प्रतिष्ठान के मैनेजर और मालिक के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराई गई। खाद्य सुरक्षा अधिकारी अमित गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि नगर निगम मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में नगर निगम दल के साथ खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने विजय नगर स्थित राज डेयरी का निरीक्षण किया तथा यहाँ से पनीर और घी के सैंपल लिए।उखरी तिराहा स्थित ई कॉमर्स प्लेटफार्म ब्लिंकिट कॉमर्स प्राइवेट लिमिटेड के औचक निरीक्षण के दौरान पूजा घी के नाम से घी के पैकेट विक्रय करते पाये जाने पर मैनेजर की उपस्थित में पूजा घी का सैंपल लिया गया तथा 16 किलो पूजा घी जप्त किया गया। इसके साथ ही यहां से शंका के आधार पर अमूल बटर का सैंपल भी लिया गया। इसी क्रम में दीनदयाल चौक स्थित बड़कुल स्वीट एवं रेस्टोरेंट का निरीक्षण किया गया। यहां पर अत्यधिक गंदगी एवं अस्वच्छ परिस्थिति में भोजन एवं मिठाइयों का निर्माण करना पाया गया। डीप फ्रीजर में बहुत गंदा फफूंद लगा हुआ पाया गया जिसके अंदर सड़े हुए मोमोज लगभग 100 पीस तथा लगभग 5 किलो

शेजवान चटनी रखे पाये गये। इनके सैंपल लेकर शेष सामग्री को मौके पर नष्ट कराया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि लाइसेंस की शर्तों का उल्लंघन पाये जाने पर नगर निगम मजिस्ट्रेट ने पर बड़कुल स्वीट एन्ड रेस्टोरेंट प्रतिष्ठान के मैनेजर एवं मालिक के विरुद्ध एफआइआर दर्ज कराने के निर्देश दिये हैं। इसी प्रकार नगर निगम मजिस्ट्रेट द्वारा राज डेयरी पर 3 हजार रूपये का जुर्माना एवं बड़कुल स्वीट्स रेस्टोरेंट में 10 हजार रूपये का जुर्माना अधिरोपित किया गया है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि निरीक्षण के दौरान जांच हेतु लिए गए सभी सैंपल राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल भेजे जा रहे है। रिपोर्ट प्राप्त होने पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

स्व सहायता समूह से जुड़कर रोशनी राय ने बनाए आय के कई साधन

जबलपुर(आरएनएस)। मध्यप्रदेश ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़कर ग्रामीण महिलाएं आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रही हैं। शहपुरा विकासखंड के ग्राम धरमपुरा की श्रीमती रोशनी राय ने स्व सहायता समूह से जुड़कर अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के साथ आय के कई साधन विकसित किए हैं। वर्तमान में वे बकरी पालन, सीएससी सेंटर, बीमा सखी और सीआरपी के रूप में कार्य कर रही हैं तथा लगभग 20 हजार रुपए प्रतिमाह आय अर्जित कर रही हैं। श्रीमती रोशनी राय वर्ष 2022 में आस्था स्व सहायता समूह से जुड़ीं। कक्षा 12वीं तक शिक्षित होने के कारण उन्हें समूह का बुककीपर बनाया गया। इसके बाद उन्होंने ग्राम संगठन के बुक ऑफ रिकॉर्ड्स का कार्य भी संभाला।

बड़वानी पुलिस की बड़ी उपलब्धि

5 पुलिस थानों एवं पुलिस अधीक्षक कार्यालय को मिला ISO प्रमाणन

बड़वानी (आरएनएस)। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा पुलिस कार्यप्रणाली में गुणवत्ता, पारदर्शिता, जवाबदेही एवं निरंतर सुधार को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे प्रयासों के क्रम में बड़वानी पुलिस ने महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। पुलिस अधीक्षक श्री पद्मविलोचन शुक्ल के नेतृत्व में जिले के 5 पुलिस थानों एवं पुलिस अधीक्षक कार्यालय बड़वानी को अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों के अनुरूप कार्यप्रणाली एवं व्यवस्थाएं विकसित करने पर ढ्डस्ह्र प्रमाणन प्राप्त हुआ है।आयोजित कार्यक्रम में संस्था के सलाहकार श्री एस.के. विद्यार्थी द्वारा डीआईजी निमाड़ रेंज सुश्री सिमाला प्रसाद की उपस्थिति में ढ्डस्ह्र प्रमाण-पत्र पुलिस अधीक्षक बड़वानी श्री पद्मविलोचन शुक्ल को प्रदान किए गए। इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों पर परखी गई पुलिस कार्यप्रणाली

ISO प्रमाणन की प्रक्रिया के अंतर्गत संबंधित पुलिस थानों एवं पुलिस अधीक्षक कार्यालय का विस्तृत निरीक्षण एवं मूल्यांकन किया गया। इस दौरान अभिलेखों के व्यवस्थित संधारण, कार्यों की निगरानी, जवाबदेही, निर्धारित प्रक्रियाओं का प्रभावी अनुपालन, नागरिक सेवाओं की गुणवत्ता एवं पुलिस कार्यप्रणाली में निरंतर सुधार सहित विभिन्न मानकों का परीक्षण किया गया। निरीक्षण में पुलिस कार्यालयों एवं थानों में उपलब्ध नागरिक सुविधाओं तथा जरूरतमंद वर्गों के लिए की गई विशेष व्यवस्थाओं को भी देखा गया।

स्टेयरिंग फेल होने से पिकअप वाहन नाले में पलटा, 9 लोग घायल

राजगढ़, (ए.)। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले के पचोर थाना क्षेत्र में मंगलवार दोपहर ग्राम पानिया बाइपास रोड पर पार्वती धाम कॉलोनी के पास

भैंस लेकर जा रही पिकअप की अचानक स्टेयरिंग फेल हो गई। इससे वाहन अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे उतर गया और नाले में पलट गया। हादसे में पिकअप चालक सहित 9 लोग घायल हो गए। पुलिस के अनुसार कालीपीठ थाना क्षेत्र के तीन- चार गांवों के लोग मंगलवार को पचोर पशु हाट बाजार में भैंस खरीदने-बेचने पहुंचे थे। बाजार से लौटते समय पिकअप क्रमांक एमपी 08 सीए 3687 पानिया बाइपास रोड पर पार्वती धाम कॉलोनी के पास पहुंची। इसी दौरान वाहन की स्टेयरिंग फेल हो गई। चालक ने वाहन को संभालने का प्रयास किया, लेकिन पिकअप सड़क से नीचे उतरकर नाले में जा गिरी। पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से सभी घायलों को पचोर अस्पताल पहुंचाया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद चालक विजय पुत्र मोहरसिंह तंवर, नाथूलाल पुत्र रतिराम, नाथूराम पुत्र रमेश तंवर निवासी राकल्या, राधेश्याम पुत्र गणपत, हजारीलाल पुत्र रतिराम, मांगीलाल पुत्र जगन्नाथ तंवर निवासी भवानीपुरा, रमेश पुत्र पांचूलाल तंवर निवासी कोयला, विजय पुत्र नाथूलाल तंवर निवासी ताजपुरिया और गोवर्धन पुत्र रामलाल तंवर निवासी किशनपुरिया को राजगढ़ रेफर किया गया। पुलिस ने क्रेन की मदद से पिकअप को नाले से बाहर निकलवाया।

30 फीट ऊंचे पुल से कूदी छात्रा, सेल्समैन ने उफनती नदी में लगाई छलांग, 150 मीटर तैरकर बचाया

विदिशा (ए.)। मध्य प्रदेश के विदिशा में मंगलवार सुबह एक छात्रा ने करीब 30 फीट ऊंचे बेतवा बायपास पुल से उफनती नदी में छलांग लगा दी। छात्रा को डूबता देख रायसेन निवासी निजी कंपनी में सेल्समैन विनोद पटेरिया ने बिना देर किए नदी में छलांग लगा दी। वह करीब 150 मीटर तैरकर छात्रा तक पहुंचे और उसे पकड़कर किनारे ले आए।नदी से बाहर निकालने के बाद छात्रा सांस नहीं ले पा रही थी। मौके पर मौजूद युवाओं ने तत्काल उसे संभाला और शरीर से पानी निकालने का प्रयास किया। इसके बाद छात्रा को पास के मंदिर में ले जाया गया, जहां युवाओं ने सीपीआर देकर उसकी जान बचाई। घटना के दौरान छात्रा को बचाने और सीपीआर देने का वीडियो भी सामने आया है।

विनोद पटेरिया ने बताया कि मंगलवार सुबह वह बाइक से विदिशा की ओर जा रहे थे। पड़रिया सोठिया के पास बेतवा बायपास पुल पर वे कुछ देर के लिए रुके। इसी दौरान उनकी नजर पुल पर खड़ी एक लड़की पर पड़ी। उसकी स्कूटी भी पास में खड़ी थी। पटेरिया ने छात्रा से पूछा कि वह यहां क्यों खड़ी है, लेकिन उसने कोई जवाब नहीं दिया। उन्होंने दोबारा उससे बात करने की कोशिश की। इसी बीच छात्रा अचानक पुल पर चढ़ी और नदी में छलांग लगा दी। छात्रा को नदी में गिरते देख पटेरिया ने पुल से गुजर रहे वाहन चालकों को रोककर मदद मांगी।

उन्होंने बताया कि एक लड़की नदी में कूद गई है और उसे बचाने के लिए मदद की जरूरत है। पटेरिया के मुताबिक, किसी वाहन चालक ने रुककर मदद नहीं की। इसके बाद वह पुल के नीचे नदी की ओर दौड़ पड़े। रास्ते में उन्हें दो युवक मिले। उन्होंने दोनों को घटना की जानकारी दी और छात्रा को बचाने के लिए नदी की ओर चलने को कहा। दोनों युवक भी उनके साथ नदी तक पहुंचे।

उफनती नदी में कूदे, 150 मीटर तैरकर छात्रा को पकड़ा

छात्रा को पानी में डूबते देख विनोद पटेरिया ने नदी में छलांग लगा दी। वह तैरते हुए करीब 150 मीटर दूर छात्रा तक पहुंचे। उन्होंने छात्रा को पकड़ा और उसे लेकर किनारे की ओर तैरने लगे। साथ पहुंचे दोनों युवकों ने भी छात्रा को पानी से बाहर निकालने में मदद की। नदी से बाहर आने के बाद छात्रा की हालत गंभीर थी। वह सांस नहीं ले पा रही थी। मौके पर मौजूद युवाओं ने तुरंत उसे संभाला और प्राथमिक तौर पर उसकी हालत सुधारने का प्रयास किया।

खजराना गणेश मंदिर में गणेश उत्सव की तैयारियों को लेकर बैठक बुधवार को

इन्दौर (आरएनएस)। कलेक्टर शिवम वर्मा बुधवार 19 अगस्त को सुबह 11 बजे खजराना गणेश मंदिर पहुंचकर आगामी गणेश उत्सव की तैयारियों एवं मंदिर में चल रहे निर्माण कार्यों सहित अन्य व्यवस्थाओं की समीक्षा करेंगे। बैठक में 10 दिवसीय गणेश उत्सव के आयोजन को लेकर विस्तार से चर्चा की जाएगी। उत्सव के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा , दर्शन व्यवस्था, सुरक्षा, यातायात, स्वच्छता, पार्किंग सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं पर विचार-विमर्श कर आयोजन की विस्तृत रूपरेखा को अंतिम रूप दिया जाएगा।

व्यापार समाचार

सेबी ने प्रतिभूति बाजार में साइबर सुरक्षा, घटनाओं की रिपोर्टिंग को मजबूत करने के लिए दो पोर्टल लॉन्च किए

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांता पांडे ने सोमवार को प्रतिभूति बाजार के पूरे इकोसिस्टम में साइबर सुरक्षा, साइबर घटनाओं की रिपोर्टिंग और जानकारी साझा करने की व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से दो नई पहल की घोषणा की।

साइबर डिफेंस पर आयोजित सेबी के एक सेमिनार को संबोधित करते हुए पांडे ने कहा कि साइबर खतरे संगठनात्मक और नियामकीय सीमाओं से परे होते हैं और इनका असर आपस में जुड़े संस्थानों, यहां तक कि राष्ट्रीय सीमाओं के पार भी हो सकता है।

प्रतिभूति बाजार में साइबर सुरक्षा क्षमता बढ़ाने के प्रयासों के तहत सेबी ने संशोधित इंसिडेंट रिपोर्टिंग पोर्टल और नया साइबर सुरक्षा पोर्टल लॉन्च किया है।

पांडे ने कहा कि किसी एक संगठन से शुरू होने वाली साइबर घटना वेंडरों, टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म, थर्ड पार्टी या अन्य जुड़े संस्थानों के जरिए फैल सकती है। इसलिए साइबर रेजिलिएंस को केवल अलग-अलग संगठनों के स्तर पर ही नहीं, बल्कि पूरे वित्तीय इकोसिस्टम में मजबूत करने की जरूरत है।

संशोधित सेबी इंसिडेंट रिपोर्टिंग पोर्टल का उद्देश्य साइबर सुरक्षा संबंधी घटनाओं की रिपोर्टिंग को अधिक व्यवस्थित, समयबद्ध और उपयोगी बनाना है। यह पोर्टल वित्तीय स्थिरता बोर्ड (एफएसबी) के लिए घटना रिपोर्टिंग एक्सचेंज प्रारूप (फायर)के अनुरूप है। इसका उद्देश्य घटना रिपोर्टिंग में अधिक एकरूपता लाना और सीमा-पार रिपोर्टिंग में आने वाली दिक्कतों को कम करना है।

दूसरी पहल, साइबर सुरक्षा पोर्टल , हितधारकों के बीच साइबर सुरक्षा से संबंधित जानकारी साझा करने के लिए एक केंद्रीय मंच के रूप में काम करेगा। इसके माध्यम से साइबर सुरक्षा से जुड़ी जानकारी, कमजोरियों से संबंधित चेतावनियां, नीतिगत उपाय और साइबर घटनाओं से मिले अनुभव साझा किए जा सकेंगे।

एमजी की नई इलेक्ट्रिक एसयूवी जल्द होगी लान्च, फीचर्स और रेंज के बारे में पढ़िए

नई दिल्ली (आरएनएस,)। बाजार में एमजी की ओर से जल्द ही नई इलेक्ट्रिक एसयूवी के तौर पर MG Hector Tomahawk को लॉन्च करने की तैयारी की जा रही है। निर्माता की ओर से इस एसयूवी में किस तरह के फीचर्स को दिया जा सकता है। कितनी रेंज के साथ इसे ऑफर किया जा सकता है। किस कीमत पर लॉन्च किया जा सकता है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

लॉन्च होगी नई श्वङ्क

एमजी की ओर से भारतीय बाजार में जल्द ही नई गाड़ी को लॉन्च करने की तैयारी की जा रही है। निर्माता की ओर से स्त्र ॥द्गष्ह्लश्ह्म ञ्जशद्वड्डद्धड्ड2द्म नाम से लॉन्च की जाने वाली एसयूवी को इलेक्ट्रिक एसयूवी सेगमेंट में ऑफर किया जाएगा। इस एसयूवी को स्त्र-स्त्रड्डश्चद्ध प्लेटफॉर्म पर तैयार किया गया है।

एमजी की ओर से नई एसयूवी में 60 द्मङ्खद्ध की क्षमता की बैटरी को दिया जा सकता है। जिसको फुल चार्ज करने के बाद करीब 500 से 550 किलोमीटर तक की रेंज मिल सकती है। इसमें सिंगल मोटर को दिया जा सकता है। जिससे इसे 136 पीएस की पावर और 200 न्यूटन मीटर का टॉर्क मिल सकता है।

कैसे होंगे फीचर्स:

मानसून की कमी और अल नीनो के असर से खरीफ बुआई घटकर 1016.57 लाख हेक्टेयर, धान का रकबा 14.37

नई दिल्ली (आरएनएस)। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, इस साल 14 अगस्त तक देशभर में चालू सीजन में खरीफ फसलों की बुआई का कुल क्षेत्रफल 1016.57 लाख हेक्टेयर होने का अनुमान है, जबकि पिछले साल की समान अवधि में यह आंकड़ा 1037.52 लाख हेक्टेयर था।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, इस साल अब तक धान की खेती का रकबा 379.07 लाख हेक्टेयर रहा है, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 393.44 लाख हेक्टेयर था। बुवाई के रकबे में आई 14.37 प्रतिशत की इस कमी का कारण इस साल मानसून की कमी और 'अल नीनो' मौसम पैटर्न का बुरा असर है।

उड़द और मूंग जैसी दालों की खेती का रकबा 108.14 लाख हेक्टेयर पर स्थिर रहा है (पिछले साल इसी अवधि में यह 108.49 लाख हेक्टेयर था), क्योंकि इन फसलों को कम पानी की जरूरत होती है।

ज्वार, बाजरा और रागी जैसे मोटे अनाजों या मिलेट्स की खेती का रकबा मौजूदा सीजन में अब तक 172.96 लाख हेक्टेयर आंका गया है, जो पिछले साल इसी अवधि के 177.13 लाख हेक्टेयर से कम है।

गन्ने की खेती का रकबा, जो एक सालाना फसल है और जल्दी बोई जाती है, अब तक 58.31 लाख हेक्टेयर तक पहुंच गया है, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह आंकड़ा 58.62 लाख हेक्टेयर था।

मौजूदा खरीफ सीजन में अब तक कपास की बुवाई का रकबा 107.30 लाख हेक्टेयर आंका गया है, जो पिछले साल बोए गए 108.26 लाख हेक्टेयर के लगभग बराबर है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीईए) ने किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य सुनिश्चित करने के लिए मार्केटिंग सीजन 2026-27 के लिए 14 खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में बढ़ोतरी को मंजूरी दी थी।

मार्केटिंग सीजन 2026-27 के लिए खरीफ फसलों के एमएसपी में यह बढ़ोतरी केंद्रीय बजट 2018-19 की उस घोषणा के अनुरूप है, जिसमें एमएसपी को अखिल भारतीय औसत उत्पादन लागत के कम से कम 1.5 गुना स्तर पर तय करने की बात कही गई थी।उत्पादन लागत पर किसानों को मिलने वाला अनुमानित मार्जिन मूंग (61 प्रतिशत) के मामले में सबसे ज्यादा रहने का अनुमान है, इसके बाद बाजरा (56 प्रतिशत), मक्का (56 प्रतिशत) और तुअर/अरहर (54 प्रतिशत) का स्थान है।

वैश्विक तनावों के बीच कच्चे तेल की कीमतों में उछाल से शेयर बाजार पर दबाव; सेंसेक्स 365 अंक टूटा, निफ्टी 24,250 के नीचे फिसला

मुंबई (आरएनएस)। पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने और कच्चे तेल की कीमतों के 91 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर पहुंचने से हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन मंगलवार को भी भारतीय शेयर बाजार गिरावट के साथ लाल निशान में खुला। यह लगातार छठा दिन है जब बाजार में बिलवाली देखने को मिली है। भू-राजनीतिक अनिश्चितता और वैश्विक बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के बीच निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया, जिसके चलते शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों पर दबाव देखने को मिला।

कारोबार की शुरुआत में बीएसई सेंसेक्स अपने पिछले बंद 77,728.16 से 309.19 अंक यानी 0.39 प्रतिशत गिरकर 77,418.97 के स्तर पर खुला। वहीं एनएसई निफ्टी 50 अपने पिछले बंद 24,287.65 से 0.26 प्रतिशत गिरकर 24,223.85 लेवल पर खुला।खबर लिखे जाने तक सेंसेक्स 263.98 अंकों यानी 0.34 प्रतिशत की गिरावट के साथ 77,464.18 पर कारोबार करता नजर आया। दिन के सत्र में इसने 77,575.21 का हाई और 77,362.19 का लो बनाया, जो 365 अंक यानी 0.47 प्रतिशत की गिरावट को दर्शाता है।

वहीं निफ्टी 50 42.40 अंक यानी 0.17 प्रतिशत गिरकर करीब 24,245.25 के स्तर पर ट्रेड करता नजर आया।

शेयर बाजार में आते ही इस कंपनी ने मचाया गदर, गिरते बाजार में भी निवेशकों की करा दी छप्परफाड़ कमाई

मुंबई (आरएनएस)। शेयर बाजार में लगातार हो रहे उतार-चढ़ाव और सेंसेक्स में भारी गिरावट के बीच मंगलवार का दिन कुछ निवेशकों के लिए छप्परफाड़ कमाई वाला साबित हुआ है। बाजार में 400 अंकों से ज्यादा की गिरावट के बावजूद मिल्की मिस्ट डेयरी फूड (Milky Mist Dairy Food) के शेयरों ने अपनी धमाकेदार एंट्री से सबको चौंका दिया है। कंपनी के आईपीओ में पैसा लगाने वाले निवेशकों को लिस्टिंग के दिन ही जबरदस्त मुनाफा हुआ है। इश्यू प्राइस के मुकाबले शेयर 18 फीसदी प्रीमियम पर लिस्ट हुआ और कुछ ही देर में 30 फीसदी से ज्यादा का रिटर्न देकर निवेशकों की झोली भर दी।

एक ही दिन में प्रति लॉट 4400 रुपये से ज्यादा का मुनाफा

शेयर बाजार के आंकड़ों पर नजर डालें तो कंपनी का शेयर एनएसई (NSE) और बीएसई (BSE) पर 165 रुपये के भाव पर लिस्ट हुआ था, जबकि इसका इश्यू प्राइस मात्र 140 रुपये तय किया गया था। लिस्टिंग के बाद यह शेयर तेजी से भागता हुआ 181.45 रुपये के रिकॉर्ड हाई तक पहुंच गया। इस आईपीओ का लॉट साइज 107 शेयरों का था, यानी एक निवेशक ने कम से कम 14,980 रुपये का निवेश किया था। शेयर के दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंचने के बाद एक लॉट की वैल्यू बढ़कर 19,415 रुपये से अधिक हो गई। इस लिहाज से निवेशकों को एक ही दिन में प्रति लॉट 4,435 रुपये का शानदार मुनाफा हो गया है, जिसे मौजूदा बाजार की स्थिति में एक बेहतरीन रिटर्न माना जा रहा है।

निवेशकों ने दिखाया था भारी उत्साह, 56 गुना हुआ था सब्सक्राइब

मिल्की मिस्ट डेयरी फूड का यह आईपीओ 11 अगस्त से 13 अगस्त तक सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस पब्लिक इश्यू को लेकर निवेशकों में गजब का क्रेज देखने को मिला था और यह कुल 56.12 गुना सब्सक्राइब हुआ था। क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (QIBs) का हिस्सा सबसे ज्यादा 155.83 गुना भरा गया था, जबकि नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (NIIs) ने 34.91 गुना और रिटेल निवेशकों ने 8.41 गुना दांव लगाया था। 1,553 करोड़ रुपये के इस मेगा आईपीओ में 1,428 करोड़ रुपये के नए शेयर और 125 करोड़ रुपये का ऑफर फॉर सेल (OFS) शामिल था। कंपनी ने आईपीओ खुलने से पहले ही एंकर निवेशकों से 465 करोड़ रुपये से ज्यादा की रकम जुटा ली थी।

कर्ज चुकाने और कारोबार के विस्तार पर खर्च होगी जुटाई गई रकम

मिल्की मिस्ट डेयरी फूड लिमिटेड इस आईपीओ के जरिए जुटाई गई कुल 1,121.41 करोड़ रुपये की अनुमानित शुद्ध रकम का इस्तेमाल मुख्य रूप से अपनी बैलेंस शीट को और मजबूत करने में करेगी। कंपनी 496.86 करोड़ रुपये की बड़ी रकम से अपने पुराने बकाया कर्जों का समय से पहले भुगतान करेगी, जिससे कंपनी को ब्याज के भारी बोझ से राहत मिलेगी। इसके अलावा 469.24 करोड़ रुपये की लागत से पेरुंदुरई स्थित मैन्युफैक्चरिंग प्लांट का विस्तार और आधुनिकीकरण किया जाएगा। बाजार में अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए कंपनी 155.31 करोड़ रुपये की लागत से विजी कूलर और आइसक्रीम फ्रीजर आदि लगाने की भी बड़ी योजना बना रही है।

शानदार वित्तीय प्रदर्शन, मुनाफे में दर्ज की गई 176 फीसदी की छलांग

कंपनी के शेयरों में इस जबरदस्त तेजी और निवेशकों के भरोसे के पीछे इसके मजबूत वित्तीय आंकड़े एक बड़ी वजह हैं। मिल्की मिस्ट डेयरी फूड ने वित्त वर्ष 2026 में अपने फाइनेंशियल परफॉर्मेंस में शानदार सुधार दर्ज किया है। कंपनी की कुल आय सालाना आधार पर 34 फीसदी बढ़कर 3,145.01 करोड़ रुपये के पार पहुंच गई है, जो वित्त वर्ष 2025 में 2,354.79 करोड़ रुपये थी। सबसे खास बात यह रही कि कंपनी के मुनाफे (PAT) में 176 फीसदी का तगड़ा उछाल आया है।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

यथार्थ से टकराती कथाएं

हकीकत से कटे नैरेटिव्स का अपना जीवनकाल होता है। जब उनका सामना विपरीत होते जमीनी हालात से होता है, तो उनमें दरारें पड़ने लगती हैं। ज़ेन-ज़ी का तेवर उन्हीं हालात का नतीजा है। भारत का राजनीतिक विमर्श काफी पहले शालीनता की हदें तोड़ चुका है, इसलिए इसमें नए अपशब्दों के जुड़ने पर शायद ही किसी को एतराज होता है। तीखे ध्रुवीकरण की मौजूदा सूरत में किसी नेता की टिप्पणियों को गरिमा-विहीन या मर्यादा के खिलाफ बता कर उसे घेरने की रणनीति का विरोधी खेमों पर अब कोई असर नहीं होता। कई वर्षों तक इस नई स्थिति का लाभ भाजपा ने उठाया। भाजपा नेताओं को लेकर कुछ हलकों से तब भी ऐसे शब्द बोले जाते थे, लेकिन तब कथानक पर भाजपा इकॉ-सिस्टम का इतना दबदबा था, वे शब्द बोलने वाले को ही भारी पड़ जाते थे। लेकिन यह बदले माहौल का ही संकेत है कि ऐसे लफ्ज़ अब जनमत के एक बड़े हिस्से में नया राजनीतिक कथानक गढ़ने का काम करने लगे हैं।भाजपा काफी समय तक विपक्षी नेताओं को प्रहसन-पात्र के रूप में पेश सियासी फायदे उठाती रही, मगर अब सोशल मीडिया- खासकर रील्स के इस्तेमाल से वैसी ही छवि उनके शीर्ष नेताओं को पेश की जा रही है, जिसे एक बड़ा श्रोता वर्ग मिल रहा है। बेशक, यह स्थिति लाने में ज़ेन-ज़ी के आंदोलनों ने बड़ी भूमिका निभाई है। भाजपा के सामने सवाल खड़ा है कि कहानी ऐसे क्यों पलटने लगी है? वे आत्म-मंथन करें, तो शायद उन्हें आभास होगा कि यथार्थ से कटे कथानकों का अपना जीवनकाल होता है। जब उनका सामना विपरीत होते जमीनी हालात से होता है, तो उनमें दरारें पड़ने लगती हैं।

ज़ेन-ज़ी का तेवर उन्हीं हालात का नतीजा है। हिंदुत्व की पहचान के साथ 'विश्व गुरु' की हैसियत दिलाने के वादों से वह छली गई महसूस कर रही है, तो उसकी वजहें हैं। ये पीढ़ी 'मेक इन इंडिया', 'नया भारत', 'देश बदल रहा है', 'अमृत काल', 'विकसित भारत' जैसे नारों को सुनते हुए जब बड़ी हुई, तो उसने पाया कि असल में उसके पास आगे बढ़ने के पहले जितने अवसर भी उपलब्ध नहीं हैं। तो वह हिसाब मांग रही है। इसका जवाब 'सप्तधारा' जैसे नए नैटेरिव गढ़ कर नहीं दिया जा सकता। ना ही 'दिमागी नक्सलियों' को अलग-थलग करने जैसे एलान नई परिस्थितियों में अपेक्षित भय पैदा कर सकेंगे।

नागरिकों पर ही है शहर साफ रखने की जिम्मेदारी

विनीत नारायण

सिर्फ सरकार को कोसना काफी नहीं। हमें खुद को भी आईना दिखाना होगा। अवैध निर्माण, मानकों से ज्यादा मंजिलें, नालियों में कचरा फेंकना, ये सब हम खुद करते हैं। ग्रामीण जीवन में जो सामूहिक जिम्मेदारी की भावना थी, शहर आकर हम भूल गए। कहने को शहरी हैं, लेकिन व्यवहार जंगली जैसा।

बरसात शुरू होते ही शहरों की गलियों-मोहल्लों में पानी जमा होना शुरू हो जाता है। मौसम विभाग अगर सही अनुमान लगाता है तो मूसलाधार बारिश के अनुमान के बावजूद देश के हर शहर में बरसात के गंदे पानी के तालाबों के बीच नारकीय जिंदगी जीने को मजबूर क्यों हो जाते हैं? हर साल यही कहानी दोहराई जाती है। लेकिन इसकी ज़िम्मेदारी क्या केवल सरकार की है? क्या नागरिकों की कोई ज़िम्मेदारी नहीं? क्या कारण हैं कि हर साल मानसून में देश के कई शहर नदी नालों में तब्दील हो जाते हैं?

सरकार की बात करें तो इसके तीन बड़े कारण हैं। पहला, बिना योजना के बसी कॉलोनियाँ और प्रशासन की आँख मूँदकर दी गई अनुमति। सड़क, नाली, सीवर कुछ भी सही न हो तो भी कॉलोनी पास। दूसरा, नालियों और सीवर में ठोस कचरा जमा होना, क्योंकि स्थानीय निकाय अपनी जिम्मेदारी ठीक से नहीं निभाते। तीसरा और सबसे खतरनाक, हर दो-तीन साल में सड़कों की ऊँचाई बढ़ा देना। जिससे आसपास के मकानों का तल हमेशा नीचे होता जाता है और पानी भराव की मुख्य वजह बन जाता है।

पहले दो कारणों पर तो हर साल मीडिया में शोर मचता रहता है। लेकिन सड़क का बार-बार ऊँचा होना कोई नहीं पूछता। क्यों? क्योंकि जितनी मोटी सड़क बिछाई जाएगी, ठेकेदार और इंजीनियरों का मुनाफा उतना ही बढ़ेगा। पहली बार अच्छी गुणवत्ता की सड़क बना दी जाए तो बार-बार बनाने की जरूरत ही न पड़े। थोड़े-बहुत पैचवर्क से काम चल सकता है, वहाँ भी पूरी नई सड़क डाल दी जाती है। बिना इस बात का लिहाज किए कि सड़क के दोनों तरफ रहने वाले आम लोगों की इतनी हैसियत नहीं होती कि वे हर दो साल में अपने घर का फर्श ऊँचा करा लें।

यदि विदेशों से तुलना की जाए तो एक बार भी ऐसा नहीं देखा कि विदेशों की किसी कॉलोनी की सड़क अचानक ऊँची हो गई हो या किसी मकान का फर्श सड़क से नीचे हो गया हो। सौ साल पुराने मकानों में भी यह समस्या नहीं है। न सड़क का स्तर बढ़ा, न घर का फर्श नीचा हुआ। तो हमारे इंजीनियरों की अक्ल पर क्या पत्थर पड़ गए हैं? या समझते तो हैं, लेकिन रिश्वत की हवस में करोड़ों लोगों की जिंदगी में हर दो-चार साल मुसीबत खड़ी कर देते हैं।

लेकिन सिर्फ सरकार को कोसना काफी नहीं। हमें खुद को भी आईना दिखाना होगा। अवैध निर्माण, मानकों से ज्यादा मंजिलें, नालियों में कचरा फेंकना, ये सब हम खुद करते हैं। ग्रामीण जीवन में जो सामूहिक जिम्मेदारी की भावना थी, शहर आकर हम भूल गए। कहने को शहरी हैं, लेकिन व्यवहार जंगली जैसा।

आजकल सोशल मीडिया पर कुछ रील्स वायरल हो रही हैं। उनमें आम नागरिक दिखते हैं जो हाथ में फावड़ा-झाड़ू लेकर सड़क पर खड़े हैं। ये लोग जल भराव वाली सड़कों पर नालियों से प्लास्टिक, पॉलीथीन, गंदगी निकालते हुए देखें जाते हैं। कोई सरकारी विभाग का इंतजार नहीं कर रहा। खुद अपना इलाका साफ कर रहे हैं ताकि बारिश का पानी रुक न जाए। ये छोटी-छोटी कोशिशें ही असल बदलाव ला सकती हैं।

ज़रूरत है तो संगठित होने की। हम संबंधित अधिकारियों से सवाल पूछें। उनसे पूछें कि सड़क का स्तर हर दो साल में क्यों बढ़ाया जाता है। और अगर वे जवाब न दे पाएँ तो दबाव बनाएँ कि सड़क को उसके मूल स्तर पर लाया जाए।

आज जरूरत है कि हम उन वायरल रील्स वाले नागरिकों से सीखें। ज़रूरत पड़ने पर खुद निकलकर नालियाँ साफ करें, कचरा न फेंकें, और साथ मिलकर प्रशासन पर दबाव बनाएँ। समस्या तभी घटेगी, जब हम अपनी उदासीनता छोड़कर खुद आगे बढ़ेंगे।

सोचिए, अगर हर मोहल्ले में सिर्फ दस-बारह लोग नियमित रूप से नालियों की सफाई करें या सरकारी विभाग पर साफ़-सफ़ाई का दबाव बनाएं तो क्या होगा? पानी का बहाव खुला रहेगा, मच्छर कम पैदा होंगे, बीमारियाँ घटेंगी और सबसे बड़ा फायदा, घरों में पानी घुसने का खतरा काफी हद तक कम हो जाएगा। वायरल रील्स में जो लोग दिख रहे हैं, वे कोई सुपरहीरो नहीं हैं। वे सामान्य नौकरीपेशा, दुकानदार, छात्र हैं। उन्होंने सिर्फ यह तय किया कि इंतजार करने से बेहतर है खुद काम करना। यही रवैया हमें अपनाना होगा।

एक और महत्वपूर्ण बात। सड़क की ऊँचाई बढ़ाने की समस्या सिर्फ पानी भराव तक सीमित नहीं है। जब सड़क ऊँची हो जाती है तो घर के दरवाजे-खिड़कियाँ सड़क के स्तर से नीचे आ जाते हैं। इससे घर में नमी बढ़ती है, दीवारें गीली रहती हैं, बिजली के तार खतरे में पड़ जाते हैं और बच्चों-बुजुर्गों के लिए घर से निकलना भी मुश्किल हो जाता है। कई परिवारों को मजबूरन घर का फर्श ऊँचा करवाना पड़ता है, जिसमें लाखों रुपये खर्च हो जाते हैं। यह खर्च आम आदमी की जेब पर भारी पड़ता है, जबकि जिम्मेदार ठेकेदार और अधिकारी मजे से मुनाफा कमाते रहते हैं।

सोशल मीडिया आज सबसे ताकतवर हथियार है। अपने इलाके की सड़क की ऊँचाई का फोटो-वीडियो लें, पुराने और नए स्तर की तुलना दिखाएँ, और पोस्ट करें। स्थानीय विधायक, पार्षद और नगर निगम के अधिकारियों को टैग करें। जब सैकड़ों लोग एक साथ आवाज उठाएँगे तो प्रशासन को जवाब देना ही पड़ेगा। साथ ही, मोहल्ला स्तर पर सफाई अभियान शुरू करें। रविवार की सुबह दो घंटे निकालकर नालियाँ साफ करना कोई बड़ी बात नहीं। यह छोटी सी मेहनत साल भर की परेशानी बचा सकती है।

याद रखें, सरकार और प्रशासन तभी जागते हैं जब नागरिक जाग जाते हैं। अगर हम सिर्फ कोसते रहे और खुद कुछ न किया, तो अगले साल फिर वही पानी, वही गंदगी और वही शिकायतें होंगी। लेकिन अगर हमने उन वायरल रील्स वाले नागरिकों की तरह जिम्मेदारी संभाली, तो बदलाव जरूर आएगा। नाली साफ करना शर्म की बात नहीं, बल्कि गर्व की बात है। क्योंकि यही असली देशभक्ति है, अपने आसपास को साफ और सुरक्षित रखना। समय आ गया है कि हम सिर्फ शिकायत न करें, बल्कि समाधान का हिस्सा बनें।

संवेदना और स्पंदन विहीन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस।

संजीव ठाकुर,

अल्बर्ट आइंस्टीन का प्रसिद्ध कथन है कि कल्पना ज्ञान से अधिक महत्वपूर्ण है। आज एआई ज्ञान और सूचना उपलब्ध कराने में हमारी सहायता कर सकती है, लेकिन कल्पना की अग्नि मनुष्य के भीतर ही प्रज्वलित होनी चाहिये,साहित्यकार की जिम्मेदारीआज के लेखक और कवि के सामने सबसे बड़ी चुनौती तकनीक नहीं, अपनी मौलिकता बचाए रखना है। हमें एआई से डरने की नहीं, उसके उपयोग की मर्यादा और सीमा तय करने की आवश्यकता है। मशीन को सहयोगी बनाइए, रचनाकार नहीं। उससे तथ्य पूछिए, लेकिन भाव स्वयं खोजिए। भाषा सुधारिए, लेकिन अनुभव अपना रखिए। जानकारी लीजिए, लेकिन दृष्टि अपनी बनाइए। क्योंकि आने वाले समय में शायद सबसे दुर्लभ चीज शब्द नहीं होगी मौलिक अनुभूति होगी। हमें ऐसी पीढ़ी तैयार करनी होगी जो कविता केवल लिखे नहीं, कविता को जिए कहानी केवल बनाए नहीं, जीवन की कहानियों को सुने,साहित्य केवल प्रकाशित न करे, साहित्य के माध्यम से मनुष्य को समझे। जब रचना से अधिक महत्वपूर्ण होने लगे तुरंत तैयार साहित्य साहित्य केवल शब्दों का सुंदर संयोजन नहीं है। वह मनुष्य के भीतर घटने वाली अनुभूतियों, संघर्षों, स्मृतियों, संवेदनाओं और जीवनानुभवों का रचनात्मक प्रतिफल है। एक कविता जन्म लेने से पहले कवि के भीतर न जाने कितने दिनों तक पलती है। कोई कहानी कागज पर उतरने से पहले लेखक के मन में अनेक बार घटित होती है। किसी रचना के पीछे वर्षों का अध्ययन, अनुभव, चिंतन, पीड़ा, प्रतीक्षा और शब्दों के साथ किया गया संघर्ष होता है। इसलिए साहित्य की वास्तविक शक्ति उसके शब्दों में ही नहीं, उन शब्दों के पीछे धड़कते हुए मनुष्य के हृदय में होती है। आज इंटरनेट और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने ज्ञान और सूचना की दुनिया को अभूतपूर्व गति दी है। यह मानव सभ्यता की बड़ी उपलब्धि है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कठिन कामों को सरल बना सकती है, भाषा को व्यवस्थित कर सकती है, अनुवाद में सहायता कर सकती है, शोध के रास्ते खोल सकती है और रचनाकार को अनेक स्तरों पर सहयोग दे सकती है।

मोदी को पता भी कि लालकिले से क्या बोला?

श्रुति व्यास

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ताजा जुमला इतिहास में उनकी याद का शायद एक और शब्द हो। 80वें स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से नरेंद्र मोदी ने भारतीय राजनीति, भारतीय मानस की शब्दावली में एक विचित्र नया लेबल जोड़ा—दिमागी नक्सल।

मानती हूं, मेरे जैसे लोगों के लिए इस शब्द में एक खास तरह की गूंज है। भारत सके लोगों ने भी इसे पकड़ने में देर नहीं लगाई। चौबीस घंटों के भीतर ही सोशल मीडिया पर गर्व से खुद को 'दिमागी नक्सल' कहने वाले लोग आ गए, रेडिट पर इसके लिए अलग फ्लेयर की मांग होने लगी, दिमागी जनता पार्टी बनाने के मजाक चलने लगे, जबकि पी. चिदंबरम ने सीधे घोषणा कर दी कि उन्हें दिमागी नक्सल कहलाने पर गर्व है।

दरअसल राजनीतिक गालियों की एक दिलचस्प आदत होती है—वे अपने रचयिता के हाथ से तुंरत निकल जाती हैं। फिर दिमागी होना कोई सबसे बुरा आरोप भी नहीं है। आखिर सर्वप्रथम दिमाग तो है!

लेकिन मजाक को थोड़ी देर के लिए किनारे रखिए और पहले उस मंच को देखिए जहां से यह कहा गया।

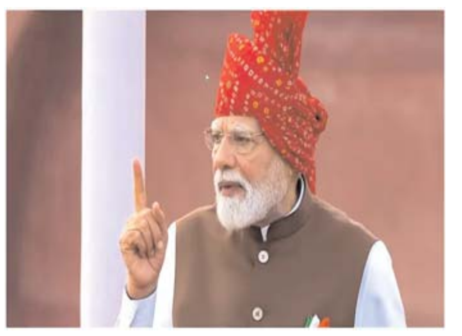

स्वतंत्रता दिवस साल का वह एक दिन है जब प्रधानमंत्री केवल किसी पार्टी या सरकार के मुखिया की तरह नहीं, बल्कि गणराज्य की आवाज़ की तरह बोलता है। लाल किला वह जगह है जहां भारत खुद को देखता है—अपनी यात्रा, अपनी महत्वाकांक्षाओं, अपनी उम्मीदों को—और अपने लोगों से, और दुनिया से, यह कहता है कि वह अपने बारे में क्या मानता है।

यही वह मंच है जहां से प्रधानमंत्रियों ने ऐसे शब्द छोड़े हैं जो अपने भाषणों से बड़े हो गए। नेहरू ने एक युवा भारत को वैज्ञानिक दृष्टिकोण और आधुनिक राष्ट्र-निर्माण की भाषा दी। लाल बहादुर शास्त्री ने दिया—जय जवान, जय किसान—सैनिक और किसान, दोनों गणराज्य के केंद्र में। अटल बिहारी वाजपेयी ने उसमें जय विज्ञान जोड़ा—विज्ञान भी वहीं होना चाहिए। मनमोहन सिंह ने इसी प्राचीर से भारत के ज्ञान अर्थव्यवस्था में प्रवेश की बात की। कहा कि दुनिया में भारत की जगह नए शोध और नई सोच पर निर्भर करेगी। इनमें कोई भी परिपूर्ण प्रधानमंत्री नहीं था, न उनके समय का भारत कोई परिपूर्ण भारत था। यह तर्क भी नहीं है। भारत ने हर रंग की सरकार में सेंसरशिप, असहिष्णुता और असहमति के दमन को देखा है। तर्क इससे कहीं संकरा और सटीक है—शब्दावली का। असल बात, उस खास मंच पर खड़े होकर कोई नेता राष्ट्रीय कल्पना में क्या रखता है? क्या बताता है?

जवान, किसान, विज्ञान, ज्ञान, नई सोच—इनमें से हर शब्द ने किसी न किसी तरह राष्ट्रीय कल्पना का दायरा बढ़ाया। किसी नई भूमिका को सम्मान दिया, किसी नई क्षमता को विकसित करने का आग्रह किया, भारत क्या बन सकता है इसका एक और रूप सामने रखा।

'दिमागी नक्सल' इसका उलटा करता है।

यह उस शब्दावली में कोई नया जोड़ नहीं है। यह उसमें से कुछ घटाता है।

लालकिले की इस परंपरा में पहली बार दिलचस्प पात्र वह भारतीय नहीं है जिसे बनने के लिए हमें कहा जा रहा है, बल्कि वह भारतीय है जिसे पहचानने के लिए कहा जा रहा है। कोई ऐसा नहीं जिसे राष्ट्रीय कल्पना के भीतर लाया जाए, बल्कि कोई ऐसा जिसे उससे अलग किया जाए। और यह भारत के उसी मंच से कहा गया है जिसका अर्थ कम-से-कम उस सुबह सबके लिए बोलना होता है।

दूसरा, इस वाक्यांश को किसी पक्षधर की तरह नहीं, एक देशभक्त की तरह देखिए, तो इसमें कुछ गहरे स्तर पर अदेशभक्तिपूर्ण लगेगा।

आरोप लगा, नौकरी गई, क्या जांच हुई?

अभिषेक शुक्ल

12 जून 2026 का दिन डॉ. ममता सागर के लिए शायद यह एक सामान्य कार्यदिवस नहीं था। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर में सहायक प्रोफेसर के रूप में कार्यरत डॉ. सागर की सेवा उसी दिन एक आदेश द्वारा समाप्त कर दी गई। इसके कुछ ही दिनों बाद, 23 जून को, विश्वविद्यालय के डिप्टी रजिस्ट्रार (एस्टेट) ने उन्हें आवंटित आवास खाली करने का निर्देश भी दे दिया।डॉ. सागर ने इन आदेशों को इलाहाबाद उच्च न्यायालय में चुनौती दी। उनका सवाल केवल यह नहीं था कि उन पर क्या आरोप लगाया गया, बल्कि यह भी था कि उस आरोप के आधार पर कार्रवाई किस प्रक्रिया से की गई। उनका कहना था कि आरोप के संबंध में कानून के अनुरूप कोई नियमित विभागीय जांच नहीं की गई। विश्वविद्यालय की ओर से भी इस तथ्य का प्रभावी खंडन नहीं किया जा सका।31 जुलाई 2026 को उच्च न्यायालय ने सेवा समाप्ति और उसके आधार पर जारी आवास खाली करने के दोनों आदेश निरस्त कर दिए तथा विश्वविद्यालय को कानून के अनुसार नए सिरे से कार्यवाही करने की स्वतंत्रता दी। यह कहानी केवल एक कर्मचारी की सेवा समाप्ति की नहीं है। यह उस बुनियादी प्रश्न की ओर ले जाती है जो प्रत्येक अनुशासनात्मक कार्रवाई के केंद्र में होना चाहिए—क्या किसी व्यक्ति के विरुद्ध आरोप लग जाना ही उसके विरुद्ध प्रतिकूल कार्रवाई के लिए पर्याप्त है।

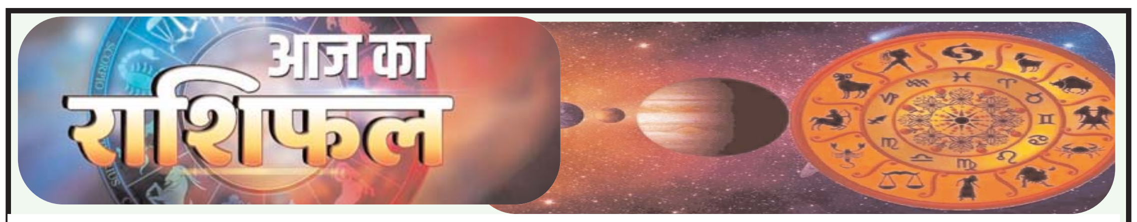

मेष राशि: मेष राशि वालों आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहेगा। आज बच्चों की तरफ से आपको गुड न्यूज़ मिल सकती है। इस राशि के आर्ट्स स्टूडेंट के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है, आज आपके मन में नए विचार आयेंगे। आज आपको रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे, जिससे आपका आर्थिक पक्ष मजबूत बनेगा।

वृष राशि: वृष राशि वालों आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आज बिजनेस के सिलसिले में आपकी विदेश यात्रा भी हो सकती है और ये यात्रा आपके लिए लाभदायक रहेगी। आज आपकी नौकरी में प्रमोशन हो सकता है, जिससे ऑफिस में आपकी छवि मजबूत बनेगी। आज किसी करीबी रिश्तेदारों के आने से आपके घर का माहौल खुशनुमा बना रहेगा।

मिथुन राशि: मिथुन राशि वालों आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक बना रहेगा। आज आपकी व्यापारिक गतिविधियां सुचारु रूप से चलती रहेंगी लेकिन आप लेन देन करते समय थोड़ी सतर्कता बरतें।

कर्क राशि: कर्क राशि वालों आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज आप अपने पिता का काम में हाथ बटायेंगे, जिससे उन्हें खुशी मिलेगी। आज आप बच्चों के लिए घर में अलग अलग तरह की डिशेज बना सकती है।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों आज का दिन आपके लिए उपयोगी बना रहेगा। आज आपके सारे रुके हुए काम पूरे हो जाएंगे। आज दुकानदारों के लिए का दिन अच्छा रहेगा, आज आपकी अच्छी आमदनी होने के योग बन रहें है।

कन्या राशि: कन्या राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपको बिजनेस में बड़ी डील मिल सकती है, जिससे आपके व्यापार में ग्रोथ होगी। आज आपको किसी शुभ समाचार के मिलने का योग नजर आ रहा है। आज पारिवारिक रिश्तों के बीच सामंजस्य बनाने में आप सफल रहेंगे।

तुला राशि: तुला राशि वालों आज आपकी नये कार्यों में रुचि बढ़ेगी जिससे आपको कुछ नया सीखने को मिलेगा। आज आप व्यर्थ के खर्चो को कम करने का प्रयास करें तो आपके लिए अच्छा रहेगा। आज आपको बिजनेस में दुगुना धन लाभ होगा, जिससे आर्थिक पक्ष पहले से अधिक मजबूत रहेगा।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि वालों आज का दिन के लिए खुशनुमा बना रहेगा। आज आप अपने बड़े बुजुर्ग का आशीर्वाद लेकर नया बिजनेस शुरू करें तो फायदा होना तय है। आज काम कमी अधिकता रहेगी इसलिए आज स्वास्थ्य के प्रति आप थोड़ी सावधानी रखें। इस राशि के लवमेट आज लॉन्ग ड्राइव पर जाने का प्लान बना सकते हैं।

धनु राशि: धनु राशि वालों आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज सभी काम आपके मन के मुताबिक पूरे होंगे, जिससे आपका आत्मविश्वास मजबूत होगा। आज ऑफिस में कुछ सहकर्मी आपके काम को लेकर आपकी तारीफ कर सकते हैं। आज आपके सकारात्मक विचारों से खुश होकर बॉस आपको उपहार स्वरूप कोई उपयोगी वस्तु गिफ्ट कर सकते हैं।

मकर राशि: मकर राशि वालों आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहेगा। आज आप खुद को अधिक ऊर्जावान महसूस करेंगे, जिससे आपका मन काम में लगेगा।

कुम्भ राशि: कुम्भ राशि वालों आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आपको कई दिनों से रुके हुए काम में सफलता मिल सकती है, जिससे मन में प्रसन्नता बनी रहेगी। आज आप किसी भी काम में जल्दबाजी करने से बचें, जिससे आपका काम शांति से हो जाये।

मीन राशि: मीन राशि वालों आज का दिन आपके लिए अनुकूल बना रहेगा। इस राशि के विवाहितों के लिए आज का दिन अच्छा है, आप जीवनसाथी के साथ कहीं बाहर डिनर पर जा सकते हैं। आज आपकी मुलाकात किसी पुराने मित्र से हो सकती है, जो आगे चलकर आपके लिए फायदेमंद होगी।

12वीं से पहले छूट रही है छात्राओं की पढ़ाई

संदीप कुलश्रेष्ठ

देश में सरकारी स्कूलों की संख्या लगातार घट रही है। वहीं दूसरी ओर बड़ी संख्या में बच्चे कक्षा 9 वीं से 12 वीं तक की पढ़ाई पूरी नहीं कर पा रहे हैं। सबसे अधिक चिंता लड़कियों की पढ़ाई की है। 12वीं तक पहुंचते-पहुंचते लगभग हर दूसरी छात्रा स्कूल छोड़ देती है।

5 वर्षों में 17,141 सरकारी स्कूल कम -

पिछले दिनों लोकसभा में इस संबंध में पेश आंकड़ों के अनुसार हमारे देश में सरकारी स्कूलों की संख्या जहां वर्ष 2021-22 के दौरान 10,22,386 थी, वहीं 2025-26 में यह संख्या घटकर 10,05,245 रह गई है। अर्थात पिछले 5 सालों में ही 17,141 सरकारी स्कूल कम हो गए। यह हालत चिंताजनक है।

12 वीं तक पहुँचने वाली लड़कियों की हिस्सेदारी कम हुई -

संसद में प्रस्तुत आँकड़ों के अनुसार 12वीं तक पहुंचने वाली लड़कियों की हिस्सेदारी 2025-26 में सिर्फ 55 प्रतिशत रह गई, अर्थात 100 लड़कियों में से केवल 55 छात्राएं ही 12वीं तक की पढ़ाई जारी रख पाती है। यही नहीं कक्षा 9वीं से 12वीं तक की पढ़ाई में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के बच्चों की पहुंच भी लक्ष्य से काफी दूर है। साल 2025-26 में इस स्तर पर अनुसूचित जाति के बच्चों का दाखिला 75.2 प्रतिशत और अनुसूचित जनजाति के बच्चों का प्रतिशत 71 दर्ज किया गया।

तीन राज्यों में हालत और खराब -

देश के मेघालय, अरूणाचल प्रदेश और नागालैंड जैसे राज्यों में स्थिति और खराब है। यहां 12वीं तक पहुंचने वाली लड़कियों की संख्या राष्ट्रीय औसत से काफी कम है। कक्षा 9वीं से 12वीं तक पढ़ने वाले बच्चों के आँकड़े भी बताते है कि माध्यमिक शिक्षा तक भी सभी बच्चे नहीं पहुंच पा रहे हैं।

संसदीय समिति ने उजागर की शिक्षा की दयनीय हालत -

दूसरी ओर संसद की समिति ने देश में माध्यमिक और उच्च माध्यमिक शिक्षा की स्थिति पर गंभीर चिंता जताई है। वर्ष 2024-25 के आँकड़ों के अनुसार 10 लाख 92 हजार सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों में 1 लाख 61 हजार माध्यमिक और 90 हजार 866 उच्च माध्यमिक स्तर के स्कूल है। प्राथमिक से हायर सेकेंडरी अर्थात 12वीं तक छात्र और छात्राओं की संख्या 6 करोड़ 18 लाख से घटकर मात्र 1 करोड़ 64 लाख रह जाती है। संसदीय समिति ने उसे करीब 73 प्रतिशत छात्र और छात्राओं के हायर सेकेंडरी पूरा करने से पहले ड्रॉप आउट के रूप में दर्ज किया है। यह हालत अत्यन्त चिंताजनक है।

स्कूल अपग्रेड करने की सिफारिश -

संसदीय समिति ने स्कूलों की कमी और छात्रों की संख्या में गिरावट को गंभीर चिंता का विषय बताते हुए सिफारिश की है कि प्राथमिक विद्यालय को माध्यमिक विद्यालय और माध्यमिक स्कूलों को हायर सेकेंडरी तक अपग्रेड किया जाए। इससे छात्रों को अपनी आसपास की उच्च कक्षाओं की पढ़ाई उपलब्ध हो सकेगी और इससे ड्रॉप आउट घटाने में मदद भी मिल सकेगी।

केन्द्र और राज्य शासन मिलकर करें प्रयास -

शिक्षा की खस्ताहाल स्थिति को सुधारने के लिए केन्द्र और राज्य शासन को मिलकर प्रयास करने की जरूरत है। उल्लेखनीय है कि एनईपी 2020 में शिक्षा पर सार्वजनिक खर्च को जीडीपी के 6 प्रतिशत तक पहुंचने का लक्ष्य तय किया गया था। संसदीय समिति के अनुसार केन्द्र और राज्यों का संयुक्त शिक्षा खर्च जीडीपी का मात्र 4.1 प्रतिशत ही है। समिति ने यह भी सिफारिश की है कि एनईपी 2020 में तय किए गए जीडीपी के लक्ष्य तक पहुंचने के गंभीर प्रयास किए जाने चाहिए। इसलिए केन्द्र और राज्य सरकार दोनों को इस दिशा में गंभीर प्रयास करने की आवश्यकता है, तभी स्थिति सुधर पायेगी।

वंदे मातरम साझा विरासत है, इसके भाव को समझना जरूरी

डॉ.अरविंद नाथ तिवारी

स्वतंत्रता दिवस केवल तिरंगा फहराने और राष्ट्रगान गाने का अवसर नहीं है, बल्कि यह उन संघर्ष, बलिदान और राष्ट्रीय प्रतीकों को स्मरण करने का दिन भी है, जिन्होंने भारत की स्वतंत्रता की चेतना को मजबूत किया। इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कांग्रेस मुख्यालय में 'वंदे मातरम्' के पूर्ण संस्करण के गायन को लेकर जिस प्रकार का राजनीतिक विवाद सामने आया है, उसने एक बार फिर यह प्रश्न खड़ा कर दिया है कि राष्ट्रभक्ति के प्रतीकों को राजनीति से कितना अलग रखा जा सकता है।15 अगस्त को कांग्रेस मुख्यालय में 'वंदे मातरम्' के पूर्ण गायन के दौरान सोनिया गांधी की कुछ गतिविधियों को भाजपा नेताओं ने गीत को रोकने अथवा उसके पूर्ण गायन पर आपत्ति के रूप में प्रस्तुत किया। कांग्रेस ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि ऐसा कोई प्रयास नहीं था और संबंधित हाव-भाव का अर्थ अलग था। इसलिए उपलब्ध वीडियो और बयानों के आधार पर यह कहना जल्दबाजी होगी कि किसी नेता ने जानबूझकर राष्ट्रगीत का अपमान किया,लेकिन विवाद का दूसरा पक्ष अधिक महत्वपूर्ण है—क्या 'वंदे मातरम्' का पूरा गायन होना चाहिए? इसका उत्तर भावनात्मक राजनीति से नहीं, बल्कि इतिहास और संवैधानिक परंपरा के आधार पर तलाशना चाहिए।'वंदे मातरम्' बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय की रचना है और भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में इसकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है।

रक्षा मंत्री ने एनसीसी कैडेट्स को दुर्गम पदयात्रा अपराजिता के लिए रवाना किया

नई दिल्ली, (आरएनएस)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को तीनों सेनाओं की महिला अधिकारियों के नेतृत्व में राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) की 28 महिला कैडेट्स को अधिक ऊंचाई वाली दुर्गम पदयात्रा अपराजिता के लिए रवाना किया। यह दल हिमाचल प्रदेश की स्पीति घाटी को लद्दाख के चांगथांग क्षेत्र से जोड़ने वाले 5,578 मीटर ऊंचे परंग ला दर्रे से होकर गुजरेगा। इसे देश के सबसे चुनौतीपूर्ण उच्च-ऊंचाई वाले दुर्गम पदयात्रा मार्गों में से एक माना जाता है। इस दल का नेतृत्व तीनों सेनाओं की तीन महिला अधिकारी करेंगी। इस अभियान में एनसीसी की 28 कैडेट्स भाग ले रही हैं, जिनकी औसत आयु 19 वर्ष है और सबसे कम उम्र की प्रतिभागी मात्र साढ़े 16 वर्ष की है। अधिकारियों, चिकित्सा कर्मियों, प्रशिक्षकों और सहायक कर्मचारियों के साथ यह अभियान दल हिमालय के कुछ सबसे दूरस्थ और चुनौतीपूर्ण इलाकों से होते हुए लगभग 250 किलोमीटर की दूरी 30 दिनों में तय करेगा। अभियान के मार्ग में किब्बर, दुमला, थलटक, बोंगरोजेन, परांग ला दर्रा, डाक कारज़ोंग, नोर्बू सुम्दो, कियांगडोम और कोरज़ोक शामिल हैं, जो उच्च ऊंचाई वाले रेगिस्तानों, ग्लेशियरों, बर्फ के मैदानों और नदी घाटियों के पार हैं।

बिहार में 18 आईपीएस अधिकारियों का तबादला

पटना, (आरएनएस)। बिहार सरकार ने राज्य में तैनात 18 भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारियों का तबादला किया है। गृह विभाग की आरक्षी शाखा ने मंगलवार को इस संबंध में अधिसूचना जारी की। अधिसूचना के अनुसार, अनिल कुमार को पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी), मद्यनिषेध एवं एएनटीएफ के पद पर स्थानांतरित किया गया है। मृत्युंजय कुमार चौधरी को डीआईजी, नागरिक सुरक्षा, बिहार, पटना की जिम्मेदारी दी गई है। राजीव रंजन-2 को डीआईजी, विशेष निगरानी इकाई और अजय कुमार पाण्डेय को डीआईजी, वितंतु एवं तकनीकी सेवाएं, बिहार के पद पर भेजा गया है।आमीर जावेद को डीआईजी, निगरानी अन्वेषण ब्यूरो, बिहार बनाया गया है। मिथिलेश कुमार को समादेष्टा, बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस-9, जमालपुर के पद पर स्थानांतरित किया गया है। सुशील कुमार को डीआईजी, विधिक मामले एवं नियम, बिहार के साथ डीआईजी, मानवाधिकार का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।हृदय कान्त को नालंदा का पुलिस अधीक्षक बनाया गया है। राजेश कुमार को पुलिस अधीक्षक, एएनटीएफ, मद्यनिषेध एवं राज्य स्वापक नियंत्रण ब्यूरो, बिहार, पटना की जिम्मेदारी दी गई है। मनीष कुमार को पुलिस अधीक्षक, विशेष निगरानी इकाई, बिहार, पटना और विनीत कुमार को पुलिस अधीक्षक, आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस), बिहार, पटना के पद पर स्थानांतरित किया गया है।

उपराष्ट्रपति बुधवार से उत्तराखंड के दो दिवसीय दौरे पर रहेंगे

नई दिल्ली, (ए.)। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन 19 एवं 20 अगस्त को उत्तराखंड के दो दिवसीय दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वह देहरादून स्थित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी (आईजीएनएफए) में भारतीय वन सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों से संवाद करेंगे और मसूरी स्थित लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी (एलबीएसएनएए) में आईएएस व्यावसायिक पाठ्यक्रम के दूसरे चरण के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।उपराष्ट्रपति सचिवालय ने मंगलवार को बताया कि उपराष्ट्रपति 19 अगस्त को आईजीएनएफए का दौरा करेंगे और भारतीय वन सेवा के 2025-27 बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित करने के साथ उनसे संवाद करेंगे। वह 20 अगस्त को मसूरी स्थित एलबीएसएनएए में 2024 बैच के आईएएस अधिकारियों के व्यावसायिक पाठ्यक्रम के दूसरे चरण के समापन समारोह में मुख्य अतिथि होंगे।अकादमी के दौरे के दौरान उपराष्ट्रपति सरदार वल्लभभाई पटेल और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को पुष्पांजलि भी अर्पित करेंगे।

रक्षा मंत्रालय ने छठी स्वदेशीकरण सूची में 405 वस्तुओं के आयात पर प्रतिबंध लगाया

नई दिल्ली, (ए.)। रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को छठी सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची जारी करके 405 वस्तुओं के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया है। इस सूची में सामरिक रूप से महत्वपूर्ण लाइन रिप्लेसेबल यूनिट्स, सब-सिस्टम, सब-असेंबली, स्पेयर पार्ट्स, कंपोनेंट्स और कच्चा माल शामिल हैं। इन सभी वस्तुओं को अब अलग-अलग समय सीमा में स्वदेशी स्रोतों से ही खरीदा जाएगा। इनमें भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) की 16 वस्तुएं और सार्वजनिक क्षेत्र के रक्षा उपक्रमों (डीपीएसयू) की 389 वस्तुएं हैं। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक आयात के लिए प्रतिबंधित की गईं ये वस्तुएं रक्षा प्लेटफार्मों और प्रणालियों की एक विस्तृत श्रृंखला को कवर करती हैं, जिनमें वायु सेना के लिए एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर, लाइट यूटिलिटी हेलीकॉप्टर, एसयू-30 एमकेआई, लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट और एएल-31एफपी इंजन जैसे एयर प्लेटफॉर्म हैं। इसी तरह सेना के टी-72, टी-90 और बीएमपी-I सहित बख्तरबंद प्लेटफॉर्म को भी इस सूची में शामिल किया गया है। नौसेना के युद्धपोतों में कोंकर्स-एम, इन्वार और एमआरएसएएम जैसी मिसाइल प्रणालियां, रडार, सोनार, अग्नि नियंत्रण प्रणाली और उपग्रह संचार प्रणाली सहित रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स, उच्च विस्फोटक टैंक-रोधी गोला-बारूद और अन्य महत्वपूर्ण रक्षा उपकरण अब आयात नहीं किये जा सकेंगे।

चुनाव में गलत हथकंडे अपनाने वाले उम्मीदवारों पर एससी का चाबुक, सत्ता बदलते ही केस वापस लेने के खेल पर लगी रोक!

नई दिल्ली, (आरएनएस)। भारतीय चुनावी राजनीति में काले धन और अनुचित साधनों के इस्तेमाल को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने एक बेहद कड़ा फैसला सुनाया है। अक्सर देखा जाता है कि चुनाव के दौरान गड़बड़ी या काले धन के इस्तेमाल के आरोपी नेताओं पर सरकार बदलते ही राजनीतिक रसूख के चलते दर्ज मुकदमे वापस ले लिए जाते हैं। इस मनमानी पर कड़ा प्रहार करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट कर दिया है कि अब चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों के खिलाफ दर्ज मुकदमों को वापस लेने के लिए संबंधित उच्च न्यायालय (हाई कोर्ट) की पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य होगा।

सांसदों-विधायकों की तरह उम्मीदवारों पर भी लागू होगा नियम

जस्टिस संजय करोल और जस्टिस एन.के. सिंह की पीठ ने मौजूदा सांसदों और विधायकों से जुड़े पुराने नियम का हवाला देते हुए यह बड़ा आदेश दिया। पीठ ने कहा कि जिस तरह मौजूदा सांसदों और विधायकों के मुकदमे केवल हाई कोर्ट की मंजूरी के बाद ही वापस हो सकते हैं, ठीक वही नियम अब चुनाव लड़ने वाले सामान्य उम्मीदवारों पर भी समान रूप से लागू होगा। अदालत ने टिप्पणी की कि यह कदम चुनाव प्रक्रिया में निष्पक्षता लाने की दिशा में एक बड़ा मील का पत्थर साबित होगा। इससे संभावित

उम्मीदवारों को कड़ा संदेश जाएगा कि गलत काम करके कोई भी नेता सिर्फ सत्ता परिवर्तन के दम पर बच नहीं सकता।

राजनीतिक लाभ के लिए केस वापस लेना न्याय प्रणाली के खिलाफ

अदालत ने राजनीति में सत्ता परिवर्तन के बाद मुकदमों को वापस लेने की परिपाटी पर गंभीर चिंता जताई। पीठ ने कहा कि यह कोई छिपी हुई बात नहीं है कि राजनीतिक बदलाव के बाद अक्सर ऐसे अनुचित फैसले लिए जाते हैं, जो निष्पक्ष आपराधिक न्याय प्रणाली की मूल भावना के पूरी तरह खिलाफ हैं। अदालत ने जोर देकर कहा कि एक जीवंत संवैधानिक लोकतंत्र अपने प्रतिनिधियों से नैतिक ईमानदारी और निष्पक्षता की पूरी उम्मीद रखता है। लोकतंत्र, कानून का शासन और पारदर्शी चुनावी प्रक्रिया एक-दूसरे से पूरी तरह जुड़े हुए हैं और इनमें से किसी से भी समझौता व्यवस्था को कमजोर करता है।

10 लाख से ज्यादा कैश मिलने पर इनकम टैक्स का शिकंजा, 1 साल में जांच पूरी करने का निर्देश

काले धन के बेलगाम इस्तेमाल पर लगाम कसने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने सख्त दिशानिर्देश जारी किए हैं। कोर्ट ने आदेश दिया है कि चुनाव के दौरान चेकिंग में यदि स्टैटिक सर्विलांस टीम को 10 लाख रुपये से अधिक की नकदी मिलती है, तो तुरंत इनकम टैक्स विभाग को सक्रिय कर कार्रवाई की जाए। इसके साथ ही, अदालत ने जांच अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि केस दर्ज होने की तारीख से एक साल के भीतर जांच हर हाल में पूरी की जाए, ताकि चुनावी भ्रष्टाचार में लिप्त नेताओं को समय पर सजा दिलाई जा सके।

ई 20 पेट्रोल के खिलाफ जंतर-मंतर पर होगा बड़ा प्रदर्शन, तहसीन पूनावाला ने किया भूख हड़ताल का ऐलान

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश में ई20 पेट्रोल को लेकर चल रही बहस अब सड़कों पर भी तेज होती नजर आ रही है। ई20 के खिलाफ आवाज उठा रहे तहसीन पूनावाला ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर दो दिवसीय विरोध प्रदर्शन और भूख हड़ताल का ऐलान किया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के जरिए इसकी जानकारी दी। उनके मुताबिक, टीम भारत की ओर से 22 और 23 अगस्त को जंतर-मंतर पर 'जनता दरबार' आयोजित किया जाएगा। इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों से प्रदर्शन में शामिल होने की अपील की गई है। पूनावाला के अनुसार, 22 अगस्त को सुबह 11 बजे जंतर-मंतर पर धरना-प्रदर्शन शुरू होगा, जो आगे भी जारी रहेगा। इसके बाद 23 अगस्त को सुबह 11 बजे से प्रदर्शन के साथ भूख हड़ताल की जाएगी। उन्होंने दावा किया है कि दोनों दिन 5,000 से अधिक लोग प्रदर्शन में शामिल हो सकते हैं और प्रदर्शनकारियों की संख्या 10,000 तक पहुंचने की संभावना है। प्रदर्शनकारियों की प्रमुख मांगों में ई10 पेट्रोल को लेकर स्पष्ट व्यवस्था करना शामिल है। पूनावाला का कहना है कि पुराने ऐसे वाहनों, जिन्हें ई20 ईंधन के अनुरूप तैयार नहीं किया गया है, उनके लिए ई10 पेट्रोल उपलब्ध कराया जाना चाहिए। उनका दावा है कि पुराने वाहनों में ई20 के इस्तेमाल से माइलेज में कमी आने के साथ-साथ कुछ वाहन कंपोनेंट पर भी असर पड़ सकता है।पूनावाला ने ई0 पेट्रोल की कीमत कम करने की भी मांग की है। इसके अलावा ई20 से जुड़े सभी जरूरी दस्तावेज और जानकारी सार्वजनिक करने की मांग उठाई गई है। उनका कहना है कि ईंधन नीति से जुड़े दस्तावेज आम लोगों के सामने आने चाहिए, ताकि ई20 को लेकर स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सके।

ग्वालियर-चंबल अंचल को मिली नई सौगातः मजबूत रेल कनेक्टिविटी से विकास को मिलेगी नई गति

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैलारस-सबलगढ़-वीरपुर गेज-परिवर्तित रेल खंड का किया उद्घाटन; ग्वालियर-कैलारस ट्रेन के वीरपुर तक विस्तार को दिखाई हरी झंडी

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया, और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने संयुक्त रूप से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मध्य प्रदेश में ब्रॉडगेज में परिवर्तित कैलारस-सबलगढ़-वीरपुर रेल खंड का वर्चुअल उद्घाटन किया। इस अवसर पर अतिथियों ने ग्वालियर-कैलारस ट्रेन सेवा के वीरपुर तक विस्तार को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ग्वालियर-कैलारस ट्रेन सेवा के वीरपुर तक विस्तार से वीरपुर, विजयपुर और सबलगढ़ सीधे ग्वालियर से जुड़ गए हैं। इससे ग्रामीण और जनजातीय अंचलों के यात्रियों को किफायती, सुरक्षित और सुगम यात्रा की सुविधा मिलेगी। बेहतर रेल संपर्क से स्थानीय निवासियों के लिए शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं और रोजगार के अवसरों तक पहुंच आसान होगी, साथ ही स्थानीय व्यापार को भी बढ़ावा मिलेगा। संबोधन के दौरान रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि 56 किलोमीटर लंबे कैलारस-वीरपुर खंड का आमान परिवर्तन ग्वालियर-चंबल क्षेत्र के लिए एक बड़ा मील का पत्थर है। इससे मुरैना जिले की बानमोर, जौरा, कैलारस, सबलगढ़ और श्योपुर जिले की वीरपुर, श्योपुर तथा कराहल तहसीलों के 100 से अधिक गांवों को सीधा लाभ पहुंचेगा।

भाजपा संगठन में बड़ा फेरबदल, विनोद तावड़े यूपी के प्रभारी नियुक्त; सतीश पूनिया को पंजाब और तरुण चुग को गुजरात की जिम्मेदारी

नई दिल्ली, (आरएनएस)। बीजेपी ने पार्टी संगठन में बड़ा फेरबदल करते हुए आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियां तेज कर दी हैं। पार्टी ने उत्तर प्रदेश, पंजाब और गुजरात के चुनावों के लिए नए प्रभारियों की नियुक्ति की है। बीजेपी अध्यक्ष नितिन नबीन की अगुवाई में घोषित नई राष्ट्रीय टीम में कई नए चेहरों को जगह दी गई है, जबकि चुनावी राज्यों की जिम्मेदारी अनुभवी नेताओं को सौंपी गई है।

पार्टी ने राष्ट्रीय महासचिव और राज्यसभा सांसद विनोद तावड़े को उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव का प्रभारी बनाया है। उनके साथ जगदीश ईश्वरभाई पटेल को सह-प्रभारी की जिम्मेदारी दी गई है। उत्तर प्रदेश बीजेपी के लिए बेहद महत्वपूर्ण राज्य है, ऐसे में चुनाव की कमान तावड़े को सौंपे जाने को अहम माना जा रहा है।

पंजाब विधानसभा चुनाव की जिम्मेदारी राष्ट्रीय महासचिव और राज्यसभा सांसद सतीश पुनिया को दी गई है। पंजाब में बीजेपी के सामने संगठन को मजबूत करने और अपने चुनावी आधार का विस्तार करने की चुनौती है। वहीं, राज्यसभा सांसद तरुण चुग को गुजरात विधानसभा चुनाव का प्रभारी नियुक्त किया गया है। चुग पहले भी पार्टी संगठन में कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभाल चुके हैं। बीजेपी की नई राष्ट्रीय टीम में पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी को राष्ट्रीय महासचिव बनाया गया है। वहीं, पूर्व आरएसएस नेता राम माधव और राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल को राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। पार्टी ने संगठन महामंत्री बीएल संतोष को उनके पद पर बरकरार रखा है। मीडिया की जिम्मेदारी अनिल बलूनी के पास ही रहेगी, जबकि सोशल मीडिया की कमान छत्तीसगढ़ के दीपक म्हास्के को सौंपी गई है।

डिप्टी सीएम शिंदे के कार्यक्रम में बड़ी चूक, 'वंदे मातरम्' की जगह बजा दिया लता मंगेशकर का गाना, 4 मिनट तक खड़े रहे लोग

मुंबई, (आरएनएस)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में आयोजित एक हाई-प्रोफाइल सरकारी कार्यक्रम में उस वक्त बेहद असहज स्थिति पैदा हो गई, जब आधिकारिक 'वंदे मातरम्' की जगह कोई और ही गाना बजने लगा। सबसे बड़ी हैरानी की बात यह रही कि मंच पर खुद सूबे के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे मौजूद थे। इस भारी चूक के कारण पूरी सभा करीब चार मिनट तक मौन खड़ी रही। इस अजीबोगरीब घटना ने आयोजनकर्ताओं की बड़ी लापरवाही को उजागर कर दिया है, जिसके बाद खुद शिंदे को माइक संभालकर इस फजीहत के लिए माफी मांगनी पड़ी।

राष्ट्रगीत की जगह बजने लगा लता मंगेशकर का एलबम

दरअसल, ठाणे में आयोजित इस अहम सरकारी कार्यक्रम में जब डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे मंच पर पहुंचे, तो प्रोटोकॉल के तहत कार्यक्रम की शुरुआत में 'वंदे मातरम्' के गायन की घोषणा की गई। सम्मान में वहां मौजूद सभी लोग अपनी जगह पर सावधान की मुद्रा में खड़े हो गए, लेकिन तभी स्पीकर पर आधिकारिक गीत की जगह स्वर कोकिला भारत रत्न लता मंगेशकर के एक पुराने प्राइवेट एलबम का गाना बजने लगा। हालांकि इस गीत के बोल भी 'वंदे मातरम्' ही थे, लेकिन यह वह वास्तविक स्वरूप नहीं था जिसे सरकारी आयोजनों में बजाया जाना अनिवार्य है।

4 मिनट तक खामोश रहा पूरा पंडाल, शिंदे ने दी सख्त हिदायत

गलत गीत बजने के बावजूद सम्मान की खातिर पूरी सभा और मंच पर मौजूद तमाम नेता करीब चार मिनट तक शांति से खड़े रहे। डिप्टी सीएम शिंदे के हाव-भाव से साफ झलक रहा था कि उन्हें भी इस चूक का तुरंत अहसास हो गया था। गाना खत्म होने के बाद जब शिंदे ने लोगों को संबोधित करना शुरू किया, तो उन्होंने सबसे पहले इस गलती के लिए खुले मंच से खेद जताया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सख्त हिदायत दी कि भविष्य में राष्ट्रगीत या देशभक्ति से जुड़े किसी भी कार्यक्रम में ऐसी लापरवाही बिल्कुल नहीं होनी चाहिए और विशेष सावधानी बरती जाए। यह वाकया ऐसे वक्त में हुआ है, जब देश में वंदे मातरम् को लेकर पहले से ही सियासी बयानबाजी का दौर तेज है।

ठाणे से रहा है शिंदे का पुराना सियासी दबदबा

गौरतलब है कि ठाणे से एकनाथ शिंदे का बेहद मजबूत और पुराना राजनीतिक रिश्ता रहा है। उन्होंने अपने सियासी सफर की शुरुआत यहीं से की थी और 2024 का विधानसभा चुनाव भी उन्होंने ठाणे की कोपरी-पांचपाखाड़ी सीट से ही जीता है। वह साल 2009 से लगातार इस सीट से विधायक चुने जा रहे हैं। इससे पहले वह 2004 से 2009 तक ठाणे विधानसभा सीट से विधायक रहे। मालूम हो कि साल 2022 में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना से बगावत कर शिंदे भाजपा के समर्थन से मुख्यमंत्री बने थे। वहीं, हालिया विधानसभा चुनाव में भाजपा-शिवसेना गठबंधन की जीत के बाद ज्यादा सीटें होने के कारण भाजपा के पास सीएम पद गया और एकनाथ शिंदे ने डिप्टी सीएम की जिम्मेदारी संभाली है।

दिल्ली के बीचों-बीच तालिबान का 'विक्ट्री डे' जश्न, भारतीय अधिकारी भी पहुंचे; अफगान दूत ने भारत से कर दी ये बड़ी मांग

नई दिल्ली, (आरएनएस)। अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे को पांच साल पूरे हो चुके हैं। इस मौके पर देश की राजधानी दिल्ली में एक ऐसा नजारा देखने को मिला, जिसकी शायद कूटनीतिक गलियारों में काफी चर्चा हो रही है। दिल्ली स्थित अफगान दूतावास में पहली बार तालिबान की सत्ता में वापसी का जश्न 'विक्ट्री डे' (विजय दिवस) के रूप में मनाया गया। इस कार्यक्रम में न सिर्फ तालिबान की नई नीतियों का बखान हुआ, बल्कि भारत सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी की मौजूदगी ने भी सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया। इस खास मौके पर अफगान दूत ने भारत और अफगानिस्तान के रिश्तों को लेकर एक बड़ा बयान देते हुए भारत से एक अहम मांग कर दी है।

भारत के साथ संबंधों पर अफगान दूत का बड़ा बयान

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भारत में अफगानिस्तान के प्रभारी राजदूत नूर अहमद नूर ने कहा कि काबुल और नई दिल्ली के बीच मजबूत राजनीतिक भरोसा और आर्थिक साझेदारी समय की मांग है। उन्होंने स्पष्ट किया कि दोनों देशों के बीच संबंधों की निरंतरता से न केवल भारत और अफगानिस्तान को सीधा फायदा होगा, बल्कि इससे पूरे क्षेत्र में स्थिरता और साझा समृद्धि को भी भारी बढ़ावा मिलेगा। नूर ने अफगानिस्तान की मौजूदा सरकार की विदेश नीति का जिक्र करते हुए कहा कि उनकी नीति किसी के भी आंतरिक मामलों में दखल न देने और एक 'संतुलित जुड़ाव' पर आधारित है। उन्होंने इस बात पर खास जोर दिया कि उनकी सरकार भारत के साथ गहरे और प्रगाढ़ आर्थिक संबंध स्थापित करना चाहती है।

विदेश मंत्रालय के अधिकारी की मौजूदगी ने खींचा ध्यान

इस आयोजन की सबसे दिलचस्प बात यह रही कि इसमें भारत सरकार की ओर से भी आधिकारिक प्रतिनिधित्व देखने को मिला। विदेश मंत्रालय के पाकिस्तान-अफ़गानिस्तान-ईरान (पीएआई) संभाग के प्रमुख और संयुक्त सचिव आनंद प्रकाश ने इस कार्यक्रम में शिरकत की। गौरतलब है कि भारत ने अभी तक आधिकारिक तौर पर अफगानिस्तान की तालिबान सरकार को मान्यता नहीं दी है, फिर भी भारतीय अधिकारी का वहां मौजूद होना अहम कूटनीतिक संकेत माना जा रहा है। अफगान दूत ने बताया कि पिछले कुछ सालों में दोनों देशों के बीच न सिर्फ राजनयिक संपर्क बढ़े हैं, बल्कि दूतावास भी ज्यादा सक्रिय हुए हैं और उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडलों ने एक-दूसरे की राजधानियों का दौरा भी किया है।

14 वर्षीय अंकुश यादव घर से लापता, पुलिस ने जारी की गुमशुदगी की सूचना

कानपुर नगर (धनंजय त्रिवेदी)। थाना कल्याणपुर क्षेत्र के ऑयल सीड कल्याणपुर निवासी अंकुश यादव उर्फ अंकुश कुमार, पुत्र अजय, उम्र करीब 14 वर्ष, दिनांक 21 फरवरी 2026 को अपने घर से बिना बताए कहीं चला गया। परिजनों द्वारा काफी खोजबीन करने के साथ-साथ रिश्तेदारों और परिचितों से भी संपर्क किया गया, लेकिन अब तक अंकुश का कोई पता नहीं चल सका है। परिजनों की चिंता को देखते हुए पुलिस द्वारा गुमशुदगी की सूचना जारी कर आमजन से सहयोग की अपील की गई है। पुलिस ने सर्वसाधारण से अनुरोध किया है कि यदि किसी व्यक्ति को अंकुश यादव उर्फ अंकुश कुमार के संबंध में कोई जानकारी प्राप्त हो अथवा वह कहीं दिखाई दे, तो इसकी सूचना तत्काल निकटतम पुलिस थाने या दिए गए संपर्क नंबरों पर दें, ताकि उसे सकुशल उसके परिजनों तक पहुंचाया जा सके।

पुलिस द्वारा जारी संपर्क नंबर

सहायक पुलिस आयुक्त, कल्याणपुर, कमिश्नरेट कानपुर नगर - 9454401462

प्रभारी निरीक्षक, कल्याणपुर, कमिश्नरेट कानपुर नगर- 9454403732

उप निरीक्षक घनश्याम लवानिया, थाना कल्याणपुर, कमिश्नरेट कानपुर नगर- 9113299541

पुलिस ने लोगों से अपील की है कि यदि लापता किशोर के बारे में कोई भी विश्वसनीय जानकारी मिले तो बिना देरी किए उपरोक्त नंबरों पर सूचना दें।

इमरान खान को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत, जेल से अस्पताल शिफ्ट करने का आदेश; दिल की हालत पर कोर्ट ने जताई चिंता

इस्लामाबाद (ए.)। पिछले तीन सालों से रावलपिंडी की अदियाला जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (PTI) के संस्थापक इमरान खान को देश की सुप्रीम कोर्ट से एक बड़ी और फौरी राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों की बेंच ने मंगलवार को एक अहम फैसला सुनाते हुए इमरान खान को अगली सुनवाई तक के लिए शिफा इंटरनेशनल अस्पताल में स्थानांतरित करने का आदेश दिया है। इसके साथ ही कोर्ट ने अधिकारियों को इमरान के इलाज और मुकम्मल मेडिकल जांच को सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए हैं। अदालत ने उनके इलाज के लिए एक विशेष मेडिकल बोर्ड का गठन करने और उन्हें कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच अस्पताल ले जाने का भी आदेश दिया है, ताकि बाहर कानून-व्यवस्था की स्थिति न बिगड़े। इमरान खान से मुलाकातों और उनके इलाज से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान जस्टिस शाहिद वहीद ने प्रशासन की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े किए। उन्होंने पूछा कि अदालत में इमरान खान का पूरा मेडिकल रिकॉर्ड पेश करने के बजाय सिर्फ मेडिकल रिपोर्ट का सारांश (समरी) ही क्यों दिया गया? जस्टिस वहीद ने मेडिकल रिपोर्ट पर गहरी चिंता जताते हुए कहा कि रिपोर्ट से साफ जाहिर हो रहा है कि इमरान खान की नब्ज और दिल की हालत ठीक नहीं है और ऐसा प्रतीत होता है कि उनके शरीर के जरूरी अंगों पर इसका बुरा असर पड़ना शुरू हो गया है। इसके बाद अदालत ने निर्देश दिया कि अगली सुनवाई से पहले इमरान खान का पूरा और विस्तृत मेडिकल रिकॉर्ड कोर्ट में हर हाल में जमा किया जाए।

बहनों से मुलाकात पर पाबंदी पर सवाल, जेल प्रशासन से मांगा 3 साल का हिसाब

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने जेल में इमरान खान और उनकी बहनों के बीच मुलाकातों पर लगी पाबंदियों पर भी कड़ी आपत्ति जताई। जजों ने स्पष्ट किया कि परिवार के सदस्यों से मिलना किसी भी व्यक्ति का मौलिक अधिकार है और जेल प्रशासन से पूछा कि इस्लामाबाद हाई कोर्ट के पिछले निर्देशों का पालन क्यों नहीं किया जा रहा है? हालांकि, इस्लामाबाद के एडवोकेट जनरल ने कोर्ट में दावा किया कि इमरान खान पिछले तीन सालों में अपनी बहनों से 48 बार मिल चुके हैं। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने जेल प्रशासन को आदेश दिया कि वह पिछले तीन सालों में इमरान खान से हुई तमाम मुलाकातों और उनके बच्चों के साथ हुई बातचीत का पूरा रिकॉर्ड अदालत में पेश करे। कोर्ट ने अब इमरान खान को हफ्ते में एक बार अपने परिवार से मिलने की इजाजत दे दी है।

इलाज का नहीं होगा राजनीतिकरण, प्राइवेट अस्पताल का खर्च उठाएगी PTI

सुप्रीम कोर्ट ने इस बात पर खास जोर दिया कि इमरान खान की सेहत और उनके इलाज को किसी भी कीमत पर राजनीतिक मुद्दा न बनाया जाए। अदालत ने पीटीआई (PTI) और इमरान के परिवार को सख्त निर्देश दिए कि वे एक हलफनामा (एफिडेविट) सौंपें जिसमें यह सुनिश्चित किया जाए कि इमरान से मुलाकात के बाद मीडिया में कोई भी बयान या बातचीत नहीं की जाएगी। वहीं, पीटीआई महासचिव सलमान अकरम राजा ने कोर्ट को भरोसा दिलाया कि मेडिकल रिपोर्ट का इस्तेमाल राजनीतिक उद्देश्यों के लिए बिल्कुल नहीं किया जाएगा। अदालत के पूछने पर इमरान खान की बहन उज्मा खान के वकील ने बताया कि शिफा इंटरनेशनल (प्राइवेट) अस्पताल में होने वाले इलाज का सारा खर्च वे खुद उठाएंगे।

रूस के साथ युद्ध में यूक्रेन असहाय, नहीं बचे अमेरिकी पैट्रियट इंटरसेप्टर

कीव, (ए.)। रूस के साथ छिड़े युद्ध में यूक्रेन असहाय हो गया है। उसके पास रूस की बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकने के लिए अब अमेरिकीपैट्रियट इंटरसेप्टर न के बराबर बचे हैं। वैसे भी यह दुनिया का सबसे ज्यादा मांग वाला हथियार है। अमेरिका में बने पैट्रियट इंटरसेप्टर से दर्जनों देश अपने डिफेंस सिस्टम को मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं। यह उन कुछ हथियारों में से एक है जो बैलिस्टिक मिसाइलों को मार गिरा सकता हैं। सीएनएन ने अपनी रिपोर्ट में अमेरिकी पैट्रियट इंटरसेप्टर को यूक्रेन के एक अज्ञात स्थान पर मक्के के खेत में बेकार पड़ा दिखाया है। बताया गया है कि इसके कैनिस्टर खाली हैं और इसे आखिरी बार 10 हफ्ते पहले चलाया गया था। सीएनएन का कहना है कि वह ऐसा पहला मीडिया आउटलेट है जिसे यूक्रेनी इलाके में पैट्रियट तक पहुंचने की सशर्त इजाजत मिली। यूक्रेन की वायु रक्षा प्रणाली के मुख्य इंजीनियर दमित्रो ने कहा कि उन्होंने छह हफ्तों से पैट्रियट लॉन्चर को चलते हुए नहीं देखा है।

ट्रंप के मिनरल सौदों पर टकराव की आशंका, 54 डेमोक्रेट्स ने समझौतों पर उठाए सवाल

वॉशिंगटन (ए.)। 50 से अधिक हाउस डेमोक्रेट्स ने चिंता जताई है कि ट्रंप प्रशासन के 'क्रिटिकल मिनरल्स' (अहम खनिजों) से जुड़े समझौते राजनीतिक रूप से जुड़े परिवारों को अमीर बना सकते हैं। अमेरिकी टैक्सपेयर्स को आर्थिक नुकसान पहुंचा सकते हैं और कांग्रेस की निगरानी को कमजोर कर सकते हैं। प्रशासन के चार वरिष्ठ अधिकारियों को लिखे एक पत्र में, 54 सांसदों ने अहम खनिजों की माइनिंग, प्रोसेसिंग और व्यापार से जुड़े समझौतों पर सवाल उठाए। उन्होंने पारदर्शिता, मजदूरों और मानवाधिकारों, पर्यावरण की सुरक्षा और सरकारी फंड के इस्तेमाल को लेकर चिंता जताई।यह पत्र अमेरिकी ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव जेमिसन ग्रीर, सेक्रेटरी ऑफ स्टेट मार्को रुबियो, कॉमर्स सेक्रेटरी हॉवर्ड लटनिक और ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट को लिखा गया।सांसदों ने 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' की हालिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि कजाकिस्तान में अमेरिकी समर्थित अहम खनिजों के समझौते से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और लटनिक के परिवारों से जुड़ी कंपनियों को फायदा हो सकता है।उन्होंने पत्र में लिखा, "अगर मजबूत पारदर्शिता और जवाबदेही के उपाय न हों, तो इन निवेशों और लोन गारंटी से हितों के टकराव, अपने फायदे के लिए काम करने, खास लोगों को तरजीह देने और निगरानी कमज़ोर होने का खतरा पैदा होता है।" लॉ मेकर्स ने कहा कि इन समझौतों के तहत अमेरिकी टैक्सपेयर्स को डेवलपमेंट फाइनेंस कॉरपोरेशन और एक्सपोर्ट-इंपोर्ट बैंक से अरबों डॉलर के सीधे लोन और लोन गारंटी का बोझ उठाना पड़ सकता है। उन्होंने माइनिंग और प्रोसेसिंग कंपनियों में फेडरल इक्विटी निवेश पर भी सवाल उठाए।पत्र में कहा गया, "अगर प्रोजेक्ट सफल होते हैं, तो कंपनियां मुनाफा रखती हैं, अगर वे नाकाम होते हैं, तो टैक्सपेयर्स नुकसान की भरपाई में मदद करते हैं।"इस पहल की अगुवाई हाउस नेचुरल रिसोर्सेज कमिटी के रैंकिंग सदस्य जेरेड हफमैन, वेज एंड मीन्स ट्रेड सब-कमेटी की रैंकिंग सदस्य लिंडा सांचेज और कांग्रेसमैन जोनाथन जैक्सन ने की। भारतीय-अमेरिकी लॉ मेकर्स रो खन्ना और श्री थानेदार भी हस्ताक्षर करने वालों में शामिल थे। डेमोक्रेट्स ने कहा कि वे क्लीन एनर्जी और टेक्नोलॉजी इंडस्ट्रीज के लिए अमेरिका की मिनरल सप्लाई चेन को मजबूत करने और चीन पर निर्भरता कम करने का समर्थन करते हैं।

भारतीय थलसेनाध्यक्ष जनरल धीरज सेठ ने पशुपतिनाथ मंदिर में की विशेष पूजा-अर्चना

काठमांडू, (ए.)। नेपाल के आधिकारिक दौरे पर पहुंचे भारतीय थलसेनाध्यक्ष जनरल धीरज सेठ ने मंगलवार सुबह काठमांडू स्थित प्रसिद्ध पशुपतिनाथ मंदिर में दर्शन और विशेष पूजा-अर्चना की।मंदिर पहुंचने पर पशुपति क्षेत्र विकास कोष के सदस्य सचिव तथा कोष के अन्य पदाधिकारियों ने जनरल धीरज सेठ का स्वागत किया। मंदिर परिसर में पहुंचने के बाद उन्होंने भगवान पशुपतिनाथ के दर्शन किए और विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की। इस दौरान जनरल धीरज सेठ ने करीब एक घंटे तक विशेष पूजा के साथ रुद्राभिषेक किया। उन्होंने भगवान पशुपतिनाथ की पूजा कर धार्मिक अनुष्ठान में हिस्सा लिया।नेपाल यात्रा के दौरान पशुपतिनाथ मंदिर में उनका दर्शन धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भारत और नेपाल के बीच सदियों पुराने धार्मिक एवं सांस्कृतिक संबंध हैं और पशुपतिनाथ मंदिर दोनों देशों के श्रद्धालुओं के लिए विशेष आस्था का केंद्र है।जनरल धीरज सेठ नेपाल के प्रधानसेनापति महारथी अशोकराज सिग्देल के निमंत्रण पर चार दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर नेपाल आए हैं। यात्रा के दौरान उन्होंने नेपाली सेना के साथ द्विपक्षीय सैन्य संबंधों, सहयोग और आपसी हित के विषयों पर विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लिया है।

स्कूल में छात्र ने की ताबड़तोड़ फायरिंग, एक की मौत; हमलावर ने खुद को भी मारी गोली

मनीला (आरएनएस),। फिलीपींस के दक्षिणी शहर जाम्बोआंगा में एक स्कूल में गोलीबारी की सनसनीखेज घटना सामने आई है। हमलावर कोई बाहरी व्यक्ति नहीं, बल्कि उसी स्कूल में पढ़ने वाला हाई स्कूल का छात्र था। वह दो बंदूकें लेकर कैंपस में दाखिल हुआ और लोगों पर फायरिंग शुरू कर दी। गोलीबारी में एक छात्र की मौत हो गई, जबकि दो लोग घायल बताए जा रहे हैं। वारदात के बाद हमलावर ने खुद को भी गोली मारकर आत्महत्या कर ली।शहर के मेयर खाइमर अदान ओलासो के मुताबिक,

हमलावर ने बॉडी कैमरा पहन रखा था और कथित तौर पर पूरी घटना की लाइव स्ट्रीमिंग भी कर रहा था। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और हमले के पीछे की वजह का पता लगाया जा रहा है।पुलिस के अनुसार, छात्र दो बंदूकें लेकर स्कूल परिसर में पहुंचा। उसने सबसे पहले अपने एक टीचर पर गोली चलाई। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि शिक्षक को गोली लगी या नहीं। इसके बाद हमलावर ने अपने एक साथी छात्र को निशाना बनाया। गोली लगने के बाद छात्र की मौके पर ही मौत हो गई। इसके तुरंत बाद हमलावर ने खुद को भी गोली मार ली। अधिकारियों के मुताबिक, फिलहाल कैंपस में गोलीबारी की कोई अन्य घटना नहीं हुई है।

अविका गौर ने फरहाना भट्ट से मांगी माफी, बोलीं-आप पर गुस्सा निकालना गलत था

अभिनेत्री अविका गौर इन दिनों रोहित शेट्टी के स्टंट-बेस्ड रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी 15 को लेकर चर्चा में हैं। शो में खतरनाक स्टंट के साथ-साथ कंटेस्टेंट्स के बीच की दोस्ती, नोकझोंक और तनाव भी दर्शकों का ध्यान खींचता है। इसी बीच अविका और फरहाना भट्ट के बीच हुआ एक छोटा सा विवाद भी सामने आया, जिसमें अविका, फरहाना से नाराज नजर आईं। हालांकि, अब अविका ने खुद इस मामले पर सफाई दी है और माना है कि उस वक्त उनका व्यवहार सही नहीं था। उन्होंने फरहाना से सोशल मीडिया के जरिए माफी भी मांगी। दरअसल, शो में एक टास्क के दौरान अविका गौर फरहाना भट्ट की टीम में शामिल हुई थीं। टीम में आने के बाद फरहाना ने अविका का स्वागत करते हुए उन्हें बधाई दी और अच्छे प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं। लेकिन उस वक्त अविका कुछ परेशान और नाराज दिखाई दे रही थीं। फरहाना के इस अंदाज का जवाब देते हुए अविका ने थोड़े रूखे अंदाज में कहा, आप तो चाहती नहीं थीं मैं आऊं।

इस घटना के बाद अब अविका गौर ने अपनी गलती स्वीकार की है। शो की शूटिंग पूरी होने और सभी कंटेस्टेंट्स के भारत लौटने के बाद अविका ने इंस्टाग्राम पर उस घटना का वीडियो शेयर किया। वीडियो के साथ उन्होंने फरहाना को टैग करते हुए लिखा, मुझे सच में अपना व्यवहार पसंद नहीं आया। फरहाना मुझे माफ कर दो। टीम को लेकर परेशान होकर मैंने आप पर अपना गुस्सा निकाल दिया, जो गलत था। आपको ढेर सारा प्यार।

अविका ने अपनी पोस्ट के अलावा कमेंट में भी फरहाना से माफी मांगी। उन्होंने लिखा, मुझे सच में अच्छा नहीं लगा कि मैंने ऐसा किया। सॉरी फरहाना। मुझे लगता है कि मैं बस परेशान थी और वह आपकी तरफ निकल गया। यह सही नहीं था। सॉरी स्वीटहार्ट।

बता दें कि खतरों के खिलाड़ी का यह 15वां सीजन है और इस बार शो में नए चेहरों के साथ कई पुराने कंटेस्टेंट्स की भी वापसी हुई। शो के इस सीजन की कास्ट में गौरव खन्ना, अविनाश मिश्रा, फरहाना भट्ट, शगुन शर्मा, अविका गौर, ओरहान अवत्रामानी (ओरी), हर्ष गुजराल, जैस्मिन भसीन, रुबीना दिलैक, करण वाही, ऋत्विक धनजानी, रुहानिका धवन और विशाल आदित्य सिंह शामिल हैं।

इंडस्ट्री में मैं जनता को खुश करने के लिए आई हूं, न कि किसी एक्टर को - काजल राघवानी

भोजपुरी अभिनेत्री काजल राघवानी इन दिनों रियलिटी शो भोजपुरी बवाल और अपने सोशल मीडिया बयानों के कारण चर्चा में हैं। अभिनेत्री ने सोमवार को फिल्म इंडस्ट्री के कुछ कलाकारों पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि कुछ लोग उन्हें झूठा साबित करने पर तुले हुए हैं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक नोट जारी किया, जिसमें उन्होंने बताया कि इंडस्ट्री के 3 लोग उनका काम, टैग और हक छीनने में तुले हुए हैं। अभिनेत्री ने जारी किए गए नोट पर लिखा, सत्य हमेशा सत्य होता है और सत्य को झूठे लोग कुछ समय तक दबा जरूर सकते हैं, लेकिन सत्य को झूठ में परिवर्तित नहीं कर सकते हैं। मैंने जो कहा है सच कहा है और वो सब जानते हैं और जो अपने स्टारडम के दम पर इसे झुठलाना चाहते हैं, मुझे झूठा साबित करने पे तुले हुए हैं 3 लोग मिलके तो सोचिए मेरी बात कितनी सच्ची होगी जिसे आप सब को मिलके झूठा साबित करने के लिए इस लेवल तक जाना पड़ रहा है।अभिनेत्री ने अपना नोट शेयर करते हुए लिखा, बाप रे ये तो सब में बेस्ट है। लोगो में छीनने की आदत पड़ी है। चाहे काम हो, किसी का हक या फिर, किसी का टैग।

अभिनेत्री का कहना है कि वे अपने काम से जनता को अपनाने आई हैं, न की किसी एक्टर को। उन्होंने लिखा, इस इंडस्ट्री में मैं किसी एक्टर को खुश करने के लिए नहीं आई हूं, बल्कि जनता का दिल जीतने के लिए आई हूं और वे ये सब देख ही रहे हैं।

अभिनेत्री दिनेश लाल यादव निरहुआ के द्वारा दिए बयान पर पलटवार करते हुए लिखा, एक कहते हैं कि पत्नी से प्यार नहीं है। जाहिर है क्योंकि उनकी पत्नी के साथ एक वीडियो वायरल हो गया था, तो सफाई भी देनी बनती है। एक प्रचार के लिए पत्नी को अपनाए और फिर छोड़ दिया। आज शो में कह रहे की एक लड़की भाव नहीं दे रही थी तो चार दिन बात नहीं की और फिर आई लव यू बुलवाया। फिर, जय श्री राम। वाह रे सरस्वती पुत्र की जय हो।

गौरतलब है कि अभिनेत्री का यह पोस्ट तब आया, जब भोजपुरी बवाल के हालिया एपिसोड में पवन सिंह, आम्रपाली और दिनेश लाल यादव निरहुला ने काजल राघवानी को घेरा था। हालांकि, शो में काजल राघवानी मौजूद नहीं थी।

काजल राघवानी का यह बवाल रियलिटी शो भोजपुरी बवाल पहले एपिसोड से ही देखने को मिला था, जिसमें अभिनेत्री ने अपने पुराने रिश्तों, शारीरिक शोषण, और इंडस्ट्री के अन्य कलाकारों (जैसे पवन सिंह, निरहुआ और आम्रपाली दुबे) पर कई गंभीर खुलासे किए थे, जिसके बाद भोजपुरी सिनेमा में भारी विवाद छिड़ गया है।

सलमान खान के बड़े फैन निकले ओरी, बताया- बिस्तर के पास रखता हूं अभिनेता की तस्वीर

मशहूर सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ओरी इन दिनों लोकप्रिय स्टंट-आधारित रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी सीजन 15 में नजर आ रहे हैं। शो में ओरी ने मजेदार खुलासा करते हुए बताया कि वे सोते समय सलमान खान की तस्वीर बिस्तर के पास रखते हैं। ओरी का कहना है कि सलमान खान ने उनके करियर के शुरुआती दिनों में मदद की थी। शो के दौरान रोहित शेट्टी ने ओरी से पूछा, मैंने सुना है कि तुम्हें पेंसिल से डर लगता है। डर को लेकर ओरी ने कहा, हां, मुझे डर है कि अगर मैं पेंसिल से लिख रहा हूं और लिखते समय छींक आ गई, तो पेंसिल मेरी नाक में घुस जाएगी, दिमाग तक पहुंच जाएगी और मैं मर जाऊंगा।ओरी का ये डर सुनकर शो में मौजूद सभी कंटेस्टेंट हंसने लगे। हालांकि, इसके बाद बातचीत एक अलग मोड़ पर चली गई। एक कंटेस्टेंट ने ओरी की पोल खोलते हुए कहा, सर, वह झूठ बोल रहा है। वह अपने बिस्तर के पास सबसे बड़े स्टार, सलमान खान की तस्वीर रखता है। वह पेंसिल से कैसे डर सकता है?इसे लेकर ओरी ने खुलासा करते हुए बताया कि सलमान खान उनके लिए कितने खास हैं। उन्होंने कहा, मैं हर घर में और हर सफर में सलमान खान की फोटो अपने बिस्तर के पास रखता हूं और अगर मेरे आसपास तस्वीर नहीं है, तो मैं सोने से पहले उस चश्मे को लगाता हूं, जिसमें सलमान की तस्वीर दिखे, ताकि मैं उन्हें देख सकूं।रोहित शेट्टी समेत शो के सभी कंटेस्टेंट को इसके पीछे की वजह जानने की उत्सुकता हुई। रोहित शेट्टी ने इसके पीछे की वजह पूछी, तो ओरी ने कहा, उन्होंने मुझे मेरा पहला हिट ब्रेक दिया था, इसलिए मैं यही फोटो हर जगह साथ लेकर जाता हूं।

मलेरिया से जूझ रहे हैं पुलकित सम्राट, शेयर किया हेल्थ अपडेट

मुंबई अभिनेता पुलकित सम्राट इस समय मलेरिया से जूझ रहे हैं और उन्होंने अपने फैंस के साथ अपनी सेहत से जुड़ा एक बेबाक अपडेट शेयर किया है। अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अभिनेता ने रिकवरी के दौरान की एक तस्वीर शेयर की और बताया कि इस बीमारी का उनके शरीर पर कितना असर पड़ा है।

अपनी अनुशासित फिटनेस रूटीन और दमदार फिजीक के लिए पहचाने जाने वाले पुलकित ने बताया कि मलेरिया ने उनके शरीर पर काफी असर डाला है, जिसके चलते न सिर्फ उनका 2.5 किलो वज़न कम हो गया है, बल्कि काफी हद तक ताकत भी चली गई है। हालांकि इस झटके के बावजूद अभिनेता सकारात्मक बने हुए हैं और अपनी फिटनेस दोबारा हासिल करने के लिए पूरी तरह दृढ़ हैं।

अपनी रिकवरी का अपडेट शेयर करते हुए पुलकित ने लिखा है, मलेरिया ने मेरी उम्मीद से थोड़ा ज्यादा असर डाला है। 2.5 किलो वजन कम हो गया है और काफी ताकत भी चली गई है। लेकिन मैं इस शरीर को जानता हूं। हमने इसे पहले भी बनाया है। हम इसे फिर से बनाएंगे।

13 विद्यार्थियों को फेल करने के विरोध में पालिटेक्निक कालेज रुद्री के गेट पर छात्रों का प्रदर्शन

धमतरी, (ए.)। भोपाल राव पवार शासकीय पालिटेक्निक रुद्री धमतरी में सिविल इंजीनियरिंग छठवें सेमेस्टर के 13 विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा में फेल किए जाने का मामला अब विरोध प्रदर्शन तक पहुंच गया है। परीक्षा परिणाम में अनियमितता का आरोप लगाते हुए 18 अगस्त को विद्यार्थियों ने संस्था परिसर के मुख्य गेट के सामने बैठकर प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों ने प्रायोगिक परीक्षा के पुनर्मूल्यांकन के साथ पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। विद्यार्थी राकेश साहू, हिमांशु साहू, दीपांशु ध्रुव एवं अमन साहू ने बताया कि छठवें सेमेस्टर में कुल 32 विद्यार्थी थे। इनमें से 13 विद्यार्थियों को प्रायोगिक, प्रयोगशाला और प्रमुख परियोजना में अनुत्तीर्ण किया गया है। विद्यार्थियों का कहना है कि उन्होंने प्रायोगिक एवं मौखिक परीक्षा में हिस्सा लिया था और संबंधित प्रोजेक्ट व फाइल भी जमा किया था। इसके बावजूद उन्हें फेल कर दिया गया। विद्यार्थियों ने परीक्षा प्रक्रिया में अनियमितता होने की आशंका जताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है।प्रदर्शन कर रहे विद्यार्थियों ने आरोप लगाया कि, परीक्षा से पहले संबंधित प्रभारी शिक्षक ने उन्हें फेल करने की धमकी दिया था। उनका आरोप है कि व्यक्तिगत रंजिश के चलते 13 विद्यार्थियों को जानबूझकर अनुत्तीर्ण किया गया है। विद्यार्थियों ने बताया कि परिणाम घोषित होने के बाद उन्होंने शिक्षक,

विभागाध्यक्ष और प्राचार्य से मामले में जानकारी लेने का प्रयास किया, लेकिन उन्हें संतोषजनक जवाब नहीं मिला। विद्यार्थियों का कहना है कि प्रायोगिक परीक्षा में फेल होने से उनका एक वर्ष प्रभावित हो सकता है। ऐसे में उन्होंने मांग की कि परीक्षा की उत्तर पुस्तिका, प्रोजेक्ट फाइल, मौखिक परीक्षा के अंक और प्रमुख परियोजना का निष्पक्ष पुनर्मूल्यांकन कराया जाए। साथ ही परीक्षा प्रक्रिया की जांच के लिए स्वतंत्र समिति गठित कर दोषी पाए जाने वालों पर नियमानुसार कार्रवाई की जाए। मालूम हो मंगलवार को विद्यार्थियों ने संस्था के मुख्य गेट पर प्रदर्शन कर प्रायोगिक परीक्षा के पुनर्मूल्यांकन और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग दोहराई। प्राचार्य की गैरमौजूदगी में विद्यार्थियों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा। संस्था से मिली जानकारी के अनुसार प्राचार्य प्रशिक्षण में गए हुए हैं।

कोरबा पुलिस की बड़ी कार्रवाईः चोरी के 5 बाइक बरामद, एक आरोपी गिरफ्तार, दूसरा पहले से जेल में

कोरबा (आरएनएस)। जिले में वाहन चोरी की वारदातों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे सजग कोरबा, सतर्क कोरबा अभियान के तहत कोरबा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस सहायता केंद्र मानिकपुर की टीम ने मोटरसाइकिल चोरी के मामले का खुलासा करते हुए कोरबा और रायगढ़ जिले से चोरी की गई 5 मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है, जबकि उसका साथी पहले से ही जिला जेल कोरबा में बंद है।

पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी की पहचान गौरव नायक (20 वर्ष), निवासी मुड़ापार, कोरबा के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपी ने अपने साथी कौवा उर्फ फैजान के साथ मिलकर अलग-अलग स्थानों से मोटरसाइकिल चोरी करने की बात स्वीकार की है।

राज्यपाल ने आरईसी की 7.21 करोड़ की छह मोबाइल मेडिकल यूनिट्स को दिखाई हरी झंडी

रायपुर, (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त को लोक भवन, रायपुर में ग्रामीण एवं वंचित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने के उद्देश्य से आरईसी लिमिटेड की कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहल के तहत 7.21 करोड़ रुपये की लागत से संचालित होने वाली छह मोबाइल मेडिकल यूनिट्स (एमएमयू) को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस अवसर पर आरईसी लिमिटेड के क्षेत्रीय कार्यालय, रायपुर के मुख्य परियोजना प्रबंधक (सीपीएम) सत्यबान साहू सहित आरईसी लिमिटेड तथा इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी (आईआरसीएस), छत्तीसगढ़ के अधिकारी उपस्थित रहे।

गश्त के दौरान तोरवा पुलिस की कार्रवाई, धारदार बटनदार चाकू के साथ आरोपी और विधि से संघर्षरत बालक पकड़े गए

बिलासपुर, (आरएनएस)। तोरवा पुलिस ने रात्रि गश्त के दौरान शंकर नगर क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए धारदार बटनदार चाकू रखने वाले एक युवक और एक विधि से संघर्षरत बालक को पकड़ा है। पुलिस ने दोनों के कब्जे से दो नग स्टील के बटनदार धारदार चाकू जब्त किए हैं।

क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा असामाजिक तत्वों एवं चाकूबाजों के खिलाफतोरवा पुलिस द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 16 अगस्त 2026 की रात पुलिस टीम गश्त पर थी। इस दौरान शंकर नगर, तोरवा के पास दो संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दिए। पुलिस ने दोनों को रोककर पूछताछ की और उनकी तलाशी ली।

तलाशी के दौरान दोनों के कब्जे से 02 नग बटनदार धारदार चाकू बरामद हुए। पूछताछ एवं जांच के बाद एक की पहचान सुमीत कुर्मी, पिता विष्णु कुर्मी, उम्र 22 वर्ष, निवासी शंकर नगर, बांबे आवास, तोरवा, बिलासपुर के रूप में हुई। दूसरा व्यक्ति विधि से संघर्षरत बालक पाया गया, जो हेमूनगर, तोरवा, बिलासपुर का निवासी है।

दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंतः 3 युवक घायल, नगर सेना ने बचाई जान

कोरबा (आरएनएस)। जिले के कटघोरा थाना क्षेत्र में रविवार रात दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। जेजरा चैक के पास दो तेज रफ्तार बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सड़क किनारे घायलों को पड़ा देखकर बांगो डैम से रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा कर लौट रही जिला नगर सेना की टीम ने तत्काल मदद की और 112 की सहायता से घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

जानकारी के मुताबिक, रविवार रात दो बाइक विपरीत दिशाओं से आ रही थीं। जेजरा चैक के पास दोनों की सीधी भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं और सवार सड़क पर जा गिरे। हादसे के बाद सुनसान सड़क पर घायल काफी देर तक पड़े रहे। आसपास तत्काल मदद के लिए कोई मौजूद नहीं था।

इसी दौरान बांगो डैम में चल रहे रेस्क्यू ऑपरेशन से लौट रही जिला नगर सेना की टीम की नजर सड़क किनारे पड़े घायलों पर पड़ी। जवानों ने बिना देरी किए मौके पर रुककर स्थिति संभाली। टीम ने 112 पर कॉल कर एंबुलेंस बुलवाई और घायलों को प्राथमिक सहायता देने के बाद कटघोरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया।

डॉक्टरों के मुताबिक हादसे में तीन युवक घायल हुए हैं। इनमें से दो की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिन्हें बेहतर उपचार के लिए रेफर किया गया है। तीसरे युवक को भी चोटें आई हैं, लेकिन उसकी हालत फिलहाल खतरे से बाहर बताई जा रही है। समय पर मदद मिलने से घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया जा सका।

घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने दोनों क्षतिग्रस्त बाइकों को जब्त कर लिया है। हादसा किन परिस्थितियों में हुआ, इसकी जांच की जा रही है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज भी खंगाल रही है। घायलों के परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है, जिसके बाद वे अस्पताल पहुंचे। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने रात के समय सुनसान सड़कों पर वाहन चलाने को लेकर चिंता जताई है। पुलिस ने वाहन चालकों से तेज रफ्तार से वाहन न चलाने और हेलमेट का अनिवार्य रूप से इस्तेमाल करने की अपील की है।

धान-चावल से बनी राखियों ने बटोरी सराहना, हुनर से आत्मनिर्भर बन रहीं कोरबा की महिलाएं

कोरबा,(ए.)। कोरबा जिले की महिला स्व सहायता समूह की महिलाएं स्थानीय संसाधनों और अपनी रचनात्मकता के जरिए आत्मनिर्भरता की नई मिसाल पेश कर रही हैं। बेला कछार, दोनद्रो पंचायत के प्रसन्न स्व सहायता समूह की महिलाओं ने धान, बर्रे भाजी, साबूदाना और चावल जैसे स्थानीय एवं प्राकृतिक संसाधनों से आकर्षक राखियां तैयार की हैं। अनूठी डिजाइन और स्थानीय सामग्री से तैयार इन राखियों को लोगों की खूब सराहना मिल रही है। प्रसन्न स्व सहायता समूह वर्ष 2018 से बिहान योजना से जुड़कर महिला सशक्तिकरण और आजीविका गतिविधियों को बढ़ावा दे रहा है। समूह में 22 महिलाएं शामिल हैं, जो समय और बाजार की मांग के अनुरूप विभिन्न उत्पाद तैयार करती हैं। समूह की महिलाओं द्वारा बाती, अगरबत्ती, कॉस्मेटिक सामग्री और कपड़ों से जुड़े कार्य भी किए जाते हैं। नए उत्पादों को जोड़कर महिलाएं अपनी आय के साधनों का लगातार विस्तार कर रही हैं।रक्षाबंधन के अवसर पर समूह की महिलाओं ने पारंपरिक राखियों को स्थानीयता से जोड़ते हुए धान, बर्रे भाजी, साबूदाना और चावल जैसी सामग्री का प्रयोग किया। इन राखियों की खासियत उनकी आकर्षक बनावट के साथ-साथ स्थानीय संसाधनों का रचनात्मक उपयोग है। महिलाओं के इस नवाचार से स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा मिलने के साथ महिला उद्यमिता और आत्मनिर्भरता को भी नई दिशा मिल रही है।

नाबालिग बालिका अपहरण मामले में आरोपी को 20 वर्ष का सश्रम कारावास

नाबालिग बालिका को बहला-फुसलाकर भगाकर ले जाने के प्रकरण में आरोपी को 20 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 3,000 अर्थदंड

कोंडागांव, (आरएनएस)। 06.02.2025 को प्रार्थी बुदर विश्वकर्मा, पिता गोपी विश्वकर्मा, उम्र 40 वर्ष, निवासी मुलमुला थाना कोंडागांव, द्वारा थाना उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि उसकी नाबालिग पुत्री को किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा बहला-फुसलाकर भगाकर ले गया है। प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना कोंडागांव में अपराध क्रमांक 95/2025 धारा 137(2) BNS का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।विवेचना के दौरान पुलिस टीम द्वारा अपहृत नाबालिग पीड़िता की लगातार पतासाजी की गई। पतासाजी के दौरान पीड़िता को आरोपी लखेश्वर कश्यप, पिता शमलू राम कश्यप के कब्जे से बरामद किया गया। आरोपी से पूछताछ तथा पीड़िता के कथन के आधार पर प्रकरण में आरोपी के विरुद्ध धारा 87, 64, 64(2), 137(2) बीएनएस एवं पॉक्सो एक्ट की धारा 6 के तहत वैधानिक कार्रवाई की गई तथा संपूर्ण विवेचना उपरांत प्रकरण माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। प्रकरण में माननीय न्यायालय द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य एवं सबूतों का विचारण करने के पश्चात आरोपी लखेश्वर कश्यप को दोषी पाते हुए 20 वर्ष के सश्रम कारावास एवं 3,000/- के अर्थदंड से दंडित किया गया है। उक्त प्रकरण में थाना कोंडागांव पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए नाबालिग पीड़िता की पतासाजी एवं बरामदगी सुनिश्चित की गई तथा विवेचना को तत्परता एवं गंभीरता से पूर्ण कर आरोपी के विरुद्ध प्रभावी अभियोजन कार्रवाई की गई।

मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना से पुनर्वास तक, सुकमा में दिखी विकास की नई रफ्तार

सुकमा,(आरएनएस)। चेन्नई से आए मीडिया अध्ययन दल ने कलेक्टर अमित कुमार के मार्गदर्शन में जिले में शासन की विकासपरक और जनकल्याणकारी योजनाओं का जमीनी अवलोकन किया। प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो (पीआईबी), चेन्नई द्वारा आयोजित मीडिया परिचय यात्रा के तहत सोमवार को पीआईबी चेन्नई के डायरेक्टर अरुण कुमार पी. के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने बस स्टैंड, तुंगल डैम, पुनर्वास केंद्र और मिनपा कैंप का भ्रमण कर सुकमा में बदलती तस्वीर को करीब से जाना। मीडिया प्रतिनिधियों ने पुलिस अधीक्षक मयंक गुर्जर से मुलाकात कर जिले में विकास कार्यों, सुरक्षा व्यवस्था और नक्सल प्रभाव से बाहर निकल रहे क्षेत्रों में हो रहे सकारात्मक बदलावों की जानकारी ली। एएसपी रोहित शाह ने बस्तर की समृद्ध संस्कृति, प्राकृतिक सौंदर्य और पर्यटन संभावनाओं से प्रतिनिधियों को अवगत कराया। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा के साथ विकास को प्राथमिकता देते हुए शासन की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। प्रतिनिधिमंडल ने शासन की पुनर्वास नीति के सकारात्मक परिणामों को भी करीब से देखा। पुलिस अधीक्षक मयंक गुर्जर ने बताया कि आत्मसमर्पित माओवादियों और नक्सल प्रभावित परिवारों को आवास सहित 29 से अधिक शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाया जा रहा है तथा उन्हें कौशल विकास और रोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। मीडिया प्रतिनिधियों ने पुनर्वास नीति के माध्यम से प्रभावित परिवारों के जीवन में आ रहे बदलावों और प्रशासन के प्रयासों की सराहना की।

खेल समाचार

गाले टेस्ट : दिनेश चांदीमल चोटिल, स्कैन के लिए भेजा गया अस्पताल

गाले ,(आरएनएस)। श्रीलंका को भारत के खिलाफ पहले टेस्ट के चौथे दिन बड़ा झटका लगा। अनुभवी बल्लेबाज दिनेश चांदीमल फील्डिंग के दौरान चोटिल हो गए। चांदीमल को कंधे और गर्दन में चोट लगी है। उन्हें स्कैन के लिए अस्पताल ले जाया गया है। मंगलवार को पहले सेशन में फील्डिंग करते समय बाउंड्री रोकने के लिए डाइव लगाते समय चांदीमल के दाहिने कंधे और गर्दन में चोट लग गई। श्रीलंका क्रिकेट ने कहा, टीम के फिजियोथेरेपिस्ट और चिकित्सकों ने ग्राउंड पर उनकी जांच की और उन्हें एहतियात के तौर पर स्कैन के लिए हॉस्पिटल ले जाया गया है। स्कैन की रिपोर्ट आने के बाद उनकी इंजरी का अपडेट दिया जाएगा।

केएल राहुल के डीप बैकवर्ड स्क्वायर लेग की तरफ से लगाए स्वीप को रोकने के लिए चांदीमल आगे बढ़े। उन्होंने गेंद को रोक दिया, लेकिन खुद को चोटिल कर बैठे। वे पूरी तरह से गिर गए, और उनके शरीर का पूरा वजन उनकी गर्दन पर आ गया। उन्हें अपनी गर्दन का पिछला हिस्सा पकड़े हुए देखा गया। फिजियो देखने आए, फिर उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा।

चांदीमल श्रीलंका के लिए तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हैं। पहली पारी में वह महज 4 रन बना सके थे, लेकिन मैच की परिस्थितियों को देखते हुए दूसरी पारी में वह बेहद अहम हो सकते हैं। श्रीलंका चाहेगी कि उनकी इंजरी ज्यादा गंभीर न हो।

मैच की बात करें तो भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए देवदत्त पड्डिकल के 167 और केएल राहुल के 82 रन की बदौलत पहली पारी में 462 रन बनाए थे। श्रीलंका पहली पारी में 284 रन पर सिमट गई और भारतीय टीम से पहली पारी के आधार पर 178 रन से पिछड़ रही है। टीम इंडिया ने अपनी दूसरी पारी में रिपोर्ट लिखे जाने तक 27.3 ओवर में 4 विकेट पर 111 रन बना लिए थे।

राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2025 की घोषणाः 17 खिलाड़ियों को मिलेगा अर्जुन अवॉर्ड, 3 कोच द्रोणाचार्य पुरस्कार से होंगे सम्मानित

नई दिल्ली,(आरएनएस)। युवा मामले और खेल मंत्रालय ने मंगलवार को राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2025 की घोषणा की। अलग-अलग क्षेत्र के 17 खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार के लिए चुना गया है। वहीं, 3 प्रशिक्षकों को द्रोणाचार्य पुरस्कार के लिए चुना गया है।भारत के उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायमूर्ति (सेवानिवृत) अरुण कुमार मिश्रा की अध्यक्षता वाली चयन समिति की सिफारिशों के आधार पर, सरकार ने अलग-अलग श्रेणी में खिलाड़ियों, कोच और संस्थाओं को अवॉर्ड देने का फैसला किया है।अर्जुन पुरस्कार 2025 के लिए तेजस्विन शंकर (एथलेटिक्स), मुहम्मद अजमल वी (एथलेटिक्स), प्रियंका गोस्वामी (एथलेटिक्स), ट्रीसा जॉली (बैडमिंटन), पुलेला गायत्री गोपीचंद (बैडमिंटन), नरेंद्र (बॉक्सिंग), विदित संतोष गुजराती (शतरंज), दिव्या जितेंद्र देशमुख (शतरंज), धनुष श्रीकांत (डेफ शूटिंग), लालरेमसियामी (हॉकी), राजकुमार पाल (हॉकी), सुरजीत (कबड्डी), पूजा (कबड्डी), रुद्रांश खंडेलवाल (पैरा-शूटिंग), एकता भ्यान (पैरा एथलेटिक्स), अरविंद सिंह (रोइंग), अखिल श्योराण (शूटिंग) का नाम चुना गया है।'अर्जुन पुरस्कार' खेल के क्षेत्र में पिछले चार वर्षों में अच्छे प्रदर्शन और नेतृत्व, खेल-भावना और अनुशासन की भावना दिखाने वाले एथलीटों को दिया जाता है। अर्जुन पुरस्कार (लाइफटाइम) 2025, आई अरुमनायगम (फुटबॉल) को दिया गया है। यह पुरस्कार उन खिलाड़ियों को सम्मान देने और प्रेरित करने के लिए दिया जाता है जिन्होंने खेल के

क्षेत्र में योगदान दिया है और खेल से संन्यास के बाद किसी न किसी रूप में जुड़कर उसे बढ़ावा देने में योगदान देते रहते हैं। द्रोणाचार्य अवॉर्ड 2025, परवीर सिंह (एथलेटिक्स), छोटे लाल यादव (बॉक्सिंग), और नेहा नंदकुमार चव्हाण (शूटिंग) को दिया गया है। द्रोणाचार्य अवॉर्ड उन प्रशिक्षकों (कोचों) को दिया जाता है जो लगातार बेहतरीन और काबिलियत भरा काम करते हैं और खिलाड़ियों को इंटरनेशनल इवेंट्स में बेहतर करने में मदद करते हैं। द्रोणाचार्य अवॉर्ड (लाइफटाइम) 2025 के लिए धर्मेंद्र सिंह यादव (बॉक्सिंग) और वीरेंद्र कुमार (कुश्ती) का नाम निश्चित किया गया है।राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार 2025, आर्मी पैरालंपिक नोड, पुणे को दिया जाएगा। यह सम्मान उन कॉर्पोरेट एंटिटी (सार्वजनिक, निजी) और गैर-सरकारी संस्थान (एनजीओ) को दिया जाता है, जिन्होंने खेल को बढ़ावा देने और विकास के क्षेत्र में अहम भूमिका निभाई हो। राष्ट्रीय खेल पुरस्कार प्रत्येक वर्ष खेलों में बतौर खिलाड़ी और प्रशिक्षक बेहतर प्रदर्शन करने वालों को दिया जाता है।

सिनसिनाटी ओपनः पहले दौर में हारीं विलियम्स बहनें, कोस्त्युक-स्टियर्न्स की जोड़ी ने दी मात

सिनसिनाटी, (आरएनएस)। टेनिस की दिग्गज बहनें वीनस विलियम्स और सेरेना विलियम्स सिनसिनाटी ओपन के महिला युगल के दूसरे दौर में पहुंचने से महज दो अंक दूर रह गईं। सोमवार को खेले गए पहले दौर के मुकाबले में यूक्रेन की मार्ता कोस्त्युक और स्थानीय खिलाड़ी पेटन स्टियर्न्स ने विलियम्स बहनों को 2-6, 6-1, 10-8 से हराया।यह मुकाबला सेरेना और वीनस की 2022 अमेरिकी ओपन के बाद पहली बार साथ में प्रतिस्पर्धी मैच था। दोनों बहनों ने तीन सेट के रोमांचक मुकाबले में शानदार वापसी करते हुए अपने पुराने अंदाज की झलक दिखाई, लेकिन निर्णायक सुपर टाईब्रेक में जीत से दो अंक दूर रह गईं।

विश्व कप 2027 में क्वालीफाई करने का हमारे पास अच्छा मौका : ओवेन डॉकिन्स

एडिनबर्ग,(आरएनएस)। स्कॉटलैंड क्रिकेट टीम के कोच ओवेन डॉकिन्स ने कहा है कि उनकी टीम 12 साल का सूखा खत्म करने और अगले साल होने वाले आईसीसी पुरुष क्रिकेट वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई करने की अच्छी स्थिति में है। स्कॉटलैंड आखिरी बार वनडे विश्व कप 2015 में खेली थी। स्कॉटलैंड ने आईसीसी पुरुष क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग 2 टूर्नामेंट में अच्छी कोशिशों के बाद अगले साल के क्रिकेट वर्ल्ड कप क्वालीफायर इवेंट के लिए जगह बना ली है। वे अब अगले साल दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में होने वाले विश्व कप में क्वालीफाई करन से एक कदम दूर हैं। स्कॉटलैंड को वर्ल्ड कप में अपनी जगह पक्की करने के लिए 2027 की शुरुआत में क्वालीफायर इवेंट में टॉप चार में जगह बनानी होगी। ओवेन डॉकिन्स ने क्रिकेट स्कॉटलैंड बातचीत में कहा, हम अभी अच्छी जगह पर हैं। इस सीरीज ने हमारी टीम के कैरेक्टर और क्षमता को दिखाया है। ग्लोबल क्वालीफायर के लिए क्वालीफिकेशन हासिल करना एक बड़ी उपलब्धि है, और इसमें शामिल हर कोई हमारी तरक्की पर गर्व कर सकता है।

उन्होंने कहा, वनडे क्रिकेट वैश्विक गेम के लिए एक बहुत जरूरी फॉर्मेट बना हुआ है, और अगर हम दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में होने वाले वर्ल्ड कप तक पहुंचते हैं तो यह एक शानदार कामयाबी होगी। यह एक ग्रुप के तौर पर हमारे लिए सबसे बड़ी कामयाबी होगी। यह एक ऐसा फॉर्मेट है जिसकी हमें और वर्ल्ड क्रिकेट को जरूरत है, ताकि हमारे खिलाड़ियों को विकसित होने में मदद मिल सके और हमारा खेल आगे बढ़ सके, कामयाब हो सके। स्कॉटलैंड मे हाल ही में अपने घरेलू मैदान पर कनाडा और यूएई के खिलाफ त्रिकोणीय सीरीज में शीर्ष टीम रही थी। डॉकिन्स ने कहा, पिछले दो सप्ताह में कुछ शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। फिन मैक्रीथ ने अपना पहला अंतरराष्ट्रीय शतक बनाया।

हरियाणा के 'धाकड़ ताऊ' : 75 साल की उम्र में 401 मेडल और 300 से ज्यादा सर्टिफिकेट्स, रिकॉर्ड्स बुक में दर्ज है नाम

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। हरियाणा स्थित चरखी-दादरी के रहने वाले रामकिशन शर्मा के नाम एथलेटिक्स में सबसे ज्यादा मेडल और सर्टिफिकेट जीतने का रिकॉर्ड है, जिन्होंने 2016 से 2025 के बीच राज्य, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की चैंपियनशिप में 401 मेडल और 336 सर्टिफिकेट अपने नाम किए हैं।

5 मई 1950 को जन्मे रामकिशन शर्मा ने 65 साल की उम्र में 'मास्टर एथलेटिक्स गेम्स' की शुरुआत की थी। आज उनका 'इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' और 'एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' में दर्ज है।हरियाणा के 'धाकड़ ताऊ' ने 25 दिसंबर 2016 से मास्टर एथलेटिक्स गेम्स में हिस्सा लेना शुरू किया था, जो 30 या 35 वर्ष और उससे अधिक आयु के एथलीट्स के लिए आयोजित होने वाली खेल प्रतियोगिताओं की एक श्रेणी है। इसे 'वेटरन एथलेटिक्स' भी कहा जाता है। करीब 10 वर्षों में रामकिशन शर्मा ने ये उपलब्धि हासिल कर ली।

रामकिशन 100 मीटर दौड़, 200 मीटर दौड़, 400 मीटर दौड़, 800 मीटर दौड़, लॉन्ग जंप, हर्डल और ट्रिपल जंप जैसे इवेंट्स में हिस्सा लेते हैं। उनके पास राष्ट्रीय स्तर पर 162 गोल्ड और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 10 गोल्ड मेडल हैं। इनके अलावा, 98 गोल्ड राज्य स्तर पर भी जीते हैं। रामकिशन 27 सिल्वर और 5 ब्रॉन्ज मेडल भी अपने नाम कर चुके हैं।

कोरोना काल में रामकिशन ने आर्य समाज की टीम के साथ, घर-घर जाकर सरकारी/गैर-सरकारी इमारतों में मास्क और राशन वितरण किया था, उनके पास कोरोना योद्धा के तौर पर 40 सर्टिफिकेट भी हैं। आज बतौर 'कोरोना योद्धा' उनका नाम 'इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड' में दर्ज है।

रामकिशन 30-35 साल से नशा मुक्ति अभियान में जुड़े हैं, जिन्हें करीब 40 गांवों से सम्मान पत्र मिले हैं। रामकिशन 75 साल की उम्र में भी फिटनेस के मामले में युवाओं को मात दे रहे हैं। उन्होंने युवाओं को संदेश देते हुए कहा, आज का युवा नशे की गिरफ्त में है, वो बीड़ी, सिगरेट, हुक्का, शराब के आदि हैं।

शराब पीकर गाड़ी चलाने के मामले में ये मशहूर क्रिकेटर दोषी करार, अदालत ने लगाया भारी जुर्माना

सिडनी (ए.)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ओपनर डेविड वॉर्नर को अब गाड़ी चलाने के लिए इंटरलॉक डिवाइस का इस्तेमाल करना होगा, क्योंकि सिडनी की एक अदालत ने ड्रिंक-एंड-ड्राइव मामले में उन्हें दोषी पाया है।

ईस्टर संडे के दिन रैंडम ब्रेथ-टेस्टिंग साइट के पास पहुंचने पर एक यात्री के साथ सीट बदलने की कोशिश करने के बाद, 39 वर्षीय वॉर्नर पर 'मिड-रेंज' ड्रिंक-ड्राइविंग के लिए 1,500 ऑस्ट्रेलियाई डॉलर का जुर्माना भी लगाया गया। यह घटना 5 अप्रैल (ईस्टर संडे) को हुई थी, जब वॉर्नर एक वाहन चला रहे थे और रैंडम ब्रेथ-टेस्टिंग साइट से पहले ही रुकने के कारण चर्चा में आ गए। रैंडम ब्रेथ टेस्ट में कानूनी सीमा से दोगुने से ज्यादा अल्कोहल पाए जाने पर पूर्व टेस्ट ओपनर पर 'मिड-रेंज' ड्रिंक-ड्राइविंग का आरोप लगाया गया था। पिछले महीने, वॉर्नर ने सिडनी की अदालत में ड्रिंक-ड्राइविंग के आरोप को स्वीकार कर लिया था।

अदालत ने इस मामले में अंतिम सजा सुनाने के लिए 18 अगस्त की तारीख तय की थी, जहां वॉर्नर को 'मिड-रेंज' ड्रिंक-ड्राइविंग के उल्लंघन के लिए स्थानीय ट्रैफिक कानूनों के तहत सजा का सामना करना पड़ा। 'क्रिकेटडॉटकॉमडॉटएयू' की रिपोर्ट के अनुसार, वॉर्नर के वकील अवैस अहमद ने तर्क दिया कि उन्हें इस अपराध के लिए दोषी नहीं ठहराया जाना चाहिए, क्योंकि मीडिया कवरेज के कारण उन्हें पहले ही अतिरिक्त सजा भुगतनी पड़ी है।अवैस ने वेवरली लोकल कोर्ट को बताया कि उनके क्लाइंट की इस गलती को ईएसपीएन, अल जजीरा और अन्य सहित वैश्विक मीडिया आउटलेट्स में कवर किया गया था।

भारत और बांग्लादेश जैसे देशों में, जहां वॉर्नर टी20 फ्रेंचाइजी लीग में खेलने की कोशिश कर सकते हैं, वहां 'नॉन-ड्रिंकिंग कल्चर' (शराब न पीने की संस्कृति) को स्वीकार किया जाता है। उन्होंने कहा, उनके अपराध के परिणाम गंभीर हैं। व्यावसायिक अवसरों पर असर पड़ रहा है। इस अपराध के लिए दोषी ठहराए जाने, जिसमें ब्रेथ टेस्ट में कानूनी सीमा से दोगुने से ज़्यादा अल्कोहल पाया गया था - ने आगामी बीबीएल सीजन के लिए 'थंडर' के कप्तान के तौर पर उनकी स्थिति पर संदेह पैदा कर दिया है।

खबरें मालाखेड़ी की

तुलसी विद्यामंदिर में मनाई सांस्कृतिक गरिमा के साथ तुलसी जयंती

नर्मदापुरम (निप्र)। मालाखेड़ी स्थित तुलसी विद्यामंदिर में पूर्व के अनेक वर्षों की तरह तुलसी जयंती का आयोजन सांस्कृतिक गरिमा के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतथि के रूप में मौजूद पूर्व विधायक पं गिरिजाशकर शर्मा ने महकवि तुलसीदास जी के चित्र पर माल्यार्पण कर आयोजन की सुदीर्घ परंपरा के लिए विद्यालय परिवार की सराहना की। इस अवसर पर काव्य गोष्ठी आयोजित की गई। जिसमें माखननगर से आमंत्रित कवयित्री कीर्ति वर्मा ने गीत प्रस्तुत किए। कवि बाबूलाल कदम रेखा कापसे कुमुद मनोज परसाई महेंद्र तिवारी नवीन हरियाले एवं संचालन कर रहे सुभाष यादव भारती ने अपनी बहुप्रशंसित कविताएँ सुनाईं। ओजस्वी वक्ता डॉ संतोष व्यास ने इतिहास के प्रेरक प्रसंगों के माध्यम से विद्यार्थियों को अनुप्राणित किया। गोष्ठी कार्यक्रम में समाजसेवी प्रसन्न हर्णे विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। पूर्व पार्षद महेश बावरिया ने कवियों को भेंट अर्पित कर सम्मानित किया। इस अवसर पर पं गिरीमोहन गुरु कृत तुलसीदास चालीसा का लोकार्पण भी किया गया। अंत में प्राचार्य अजय शर्मा ने आभार व्यक्त किया।

बिजली कंपनी की मनमानी से मालाखेड़ी के नागरिक परेशान

सोलर पेनल वालों को भी होती है परेशानीर, खरखाव के नाम पर घंटो गुल रहती है बिजली

नर्मदापुरम (निप्र)। बिजली के द्वारा दिन और रात मे अक्सर कई बार बिजली गुल कर उपभोक्ताओं को प्रतिकूल मौसम में यातना भुगतने के लिए विवश किया जा रहा है। जिन उपभोक्ताओं ने सौर ऊर्जा प्रणाली के तहत अपने निवास पर या संस्थान में सोलर पेनल लगवाई है उन्हें दिन के समय में इसका यथेष्ट लाभ न मिलकर कंपनी की महँगी बिजली का उपभोग करना पड़ रहा है। यही कारण है कि सौर ऊर्जा के बावजूद बिल में अधिक राशि चुकता कर शोषण का शिकार होना पड़ रहा है। हर कभी घंटों तक रखरखाव के नाम पर बिजली बंद कर आम जन को जानबूझकर परेशान किया जा रहा है। मेंटनेंस के बावजूद बार बार बिजली गुल क्यों की जाती है। सुधार की आवश्यकता को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। मालाखेड़ी के बीएल कदम, सुयश मिश्रा, अजय शर्मा, सहित अनेक नागरिकों ने बिजली कंपनी के अधिकारियों से अपेक्षा की है कि उपभोक्ताओं को अकारण परेशान नहीं किया जाए।

मालाखेड़ी की सड़कों पर पसरा रहता है अंधेरा तीन महीने से खराब अधिकांश स्ट्रीट लाइटें

नर्मदापुरम (निप्र)। मालाखेड़ी क्षेत्र में स्ट्रीट लाइटों की बदहाल व्यवस्था के कारण रात के समय स्थानीय रहवासियों और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्र की अधिकांश स्ट्रीट लाइटें पिछले करीब तीन महीनों से बंद पड़ी हैं। वर्तमान में केवल एक.दो लाइटें ही जल रही हैंए जिसके चलते रात होते ही क्षेत्र के कई हिस्सों में अंधेरा छाया जाता है। मालाखेड़ी क्षेत्र से होकर गुजरने वाले वाहन चालकों और पैदल राहगीरों को पर्याप्त रोशनी नहीं होने के कारण आवागमन में दिक्कत होती है। सड़क पर गड्ढे अथवा अन्य बाधाएं दिखाई नहीं देने से दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है। वहीं अंधेरे का फायदा उठाकर असामाजिक तत्वों द्वारा आपराधिक गतिविधियों को अंजाम दिए जाने की आशंका से भी स्थानीय लोगों में चिंता के साथ भय बना रहता है। स्थानीय निवासी सुयश मिश्रा ने बताया कि मालाखेड़ी क्षेत्र की अधिकांश स्ट्रीट लाइटें पिछले तीन महीनों से खराब पड़ी हैं। केवल एक.दो लाइटें ही जल रही हैं, जिससे पूरे क्षेत्र में अंधेरा पसरा रहता है। अंधेरे का फायदा उठाकर आपराधिक घटनाएं होने की आशंका भी बनी रहती है। वाहन से दुर्घटनाएं होने की आशंका बनी हुई है।उन्होंने संबंधित अधिकारियों से मांग की है कि मालाखेड़ी क्षेत्र की सभी बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों को शीघ्र दुरुस्त कराया जाए।

भव्य कलश यात्रा के साथ श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ

कथावाचक पं संतोष महाराज ने बताया भागवत कथा का आध्यात्मिक महत्व

डोलरिया (निप्र)। डोलरिया में मंगलवार को सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ। श्रद्धा और उत्साह से सराबोर कलश यात्रा में सैकड़ों महिला.पुरुष श्रद्धालु शामिल हुए। यात्रा के दौरान पूरा क्षेत्र भगवान के जयघोष और भक्ति गीतों से गूंज उठा। कलश यात्रा खेड़ापति माता मंदिर से प्रारंभ होकर गांव के प्रमुख मार्गों से होती हुई कथा पंडाल पहुंची। महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर भजन.कीर्तन और जयघोष के साथ यात्रा में भाग लिया। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर कलश यात्रा का स्वागत किया।कथा के प्रथम दिन कथावाचक पं संतोष महाराज ने श्रीमद्भागवत कथा के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा केवल धार्मिक आयोजन नहीं बल्कि मानव जीवन को आध्यात्मिक उन्नति सदाचार और सत्कर्म की राह दिखाने वाली ज्ञानधारा है। कथा श्रवण से मन को शांति और आत्मिक संतोष मिलता है तथा जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आता है।सात दिवसीय कथा के दौरान भगवान श्रीकृष्ण की विभिन्न लीलाओं सहित अनेक धार्मिक एवं आध्यात्मिक प्रसंगों का वर्णन किया जाएगा। कथावाचक ने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में कथा में पहुंचकर धर्मलाभ लेने का आग्रह किया।

पंचवटी में रुद्री निर्माण का आयोजन

नर्मदापुरम (निप्र)। पंचवटी फेस 2 कालोनी में महिला मंडल एवं सतत सुंदर काण्ड पाठ मंडल द्वारा सावन माह के पावन पर्व पर शिवालय परिसर में रूद्री निर्माण का महाआयोजन किया गयाए प्रात: काल से ही महिलाओं ने रूद्री निर्माण कार्य शुरू कर दिया थाए सायं काल में आचार्य ब्राह्मणों द्वारा पूजन अभिषेक के साथ महाआरती सम्पन्न हुईए इसके पूर्व कालोनी की सभी महिलाओं द्वारा सावन में तीज महोत्सव के अन्तर्गत मां पार्वती को सोलह श्रृंगार संस्कार समर्पित कर तीज व्रत का उत्सव मनायाएतथा सभी श्रद्धालुओं ने महाप्रसादी ग्रहण की।

कालोनी वासियों ने कार्यक्रम में उत्साह ए उमंग के साथ शामिल होकर धर्म लाभए पुण्य अर्जित किया।

एनीमिया मुक्त भारत अभियान के तहत छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित

नर्मदापुरम (निप्र)। भारत सरकार के एनीमिया मुक्त भारत अभियान को गति प्रदान करने एवं किशोरियों में स्वास्थ्य तथा पोषण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से भारत विकास परिषद शाखा द्वारा शा कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में हीमोग्लोबिन जांच एवं स्वास्थ्य जागरूकता शिविर आयोजित किया गयाशिविर में छात्राओं की हीमोग्लोबिन ब्लड शुगर ब्लड प्रेशर ऊंचाई एवं वजन सहित अन्य सामान्य स्वास्थ्य जांच की गई। सेठा मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल के डॉ एवं भारत विकास परिषद के संरक्षक लायन डॉ अतुल सेठा एवं उनकी टीम द्वारा 68 छात्राओं की बीपी ब्लड शुगर ऊंचाई एवं वजन की जांच की गई। वहीं श्री प्रकाश मल्टी स्पेशलिटी क्लीनिक के डॉ अवधेश सिंह राजपूत स्नेह मेहरा एवं उनकी टीम द्वारा 35 छात्राओं की हीमोग्लोबिन जांच की गई। जांच रिपोर्ट के आधार पर छात्राओं को आवश्यकता अनुसार उचित चिकित्सकीय परामर्श एवं उपचार प्राप्त करने के लिए जागरूक किया गया।कार्यक्रम में विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती अर्चना मिश्रा श्रीमती भारती मिश्रा श्री गुबरेले एवं विद्यालय स्टाफ का विशेष सहयोग रहा। परिषद की ओर से श्रीमती वंदना शर्मा प्रांत संयोजक महिला सहभागिता डीएस दांगी जिला समन्वयक अमन दुबे अध्यक्ष नलिन कुमार पटेल सचिव श्रीमती उषा अग्रवाल संयोजक महिला सहभागिता एवं संयोजक सेवा चंद्रशेखर शर्मा सहित अन्य पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने शिविर के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शिविर में परिषद के सदस्य एवं लायंस क्लब होशंगाबाद अध्यक्ष लायन हरिसिंह चौहान एवं लायन सुभाष बरेले लायन मुन्नालाल जैन का भी विशेष सहयोग रहा। जांच एवं व्यवस्थाओं में प्रवीण चौधरी अभिषेक मौर्य बालाराम यादव प्रवीण अहिरवार एवं सुनील दीक्षित सहित अन्य सहयोगियों ने सक्रिय सहभागिता की।कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य एनीमिया मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत किशोरियों एवं युवतियों में एनीमिया के प्रति जागरूकता बढ़ाना समय पर हीमोग्लोबिन की जांच कराना तथा उन्हें स्वास्थ्य पोषण एवं नियमित स्वास्थ्य परीक्षण के प्रति सजग करना था।इस अवसर पर छात्राओं को संतुलित एवं पौष्टिक आहार स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों तथा समय.समय पर स्वास्थ्य जांच कराने के महत्व की जानकारी दी गई। शिविर के माध्यम से विद्यालय की छात्राओं के साथ.साथ आसपास के क्षेत्र में भी स्वास्थ्य जागरूकता का संदेश पहुंचा। परिषद द्वारा कहा गया कि समाज के विभिन्न वर्गों के स्वास्थ्य शिक्षा सेवा एवं संस्कार से जुड़े कार्यों के लिए सदैव तत्पर है और भविष्य में भी जनहित एवं स्वास्थ्य जागरूकता से जुड़े ऐसे अभियानों को निरंतर आगे बढ़ाया जाएगा।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिटंर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com